www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 143 | जौनपुर बुधवार, 07 जनवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अरावली रिज में पेड़ कटाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की उस याचिका पर कड़ा रुख अपनाया है, जिसमें अरावली के मॉर्फोलॉजिकल रिज इलाके में 473 अतिरिक्त पेड़ काटने या स्थानांतरित करने की अनुमति मांगी गई थी।यह अनुमति केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल चिकित्सा संस्थान (सीएपीएफआईएमएस) के लिए सड़क चौड़ीकरण और बेहतर पहुंच के लिए मांगी गई है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट कहा कि कोर्ट हड़बड़ी में कोई आदेश नहीं देगा, जब तक पिछले निर्देशों का पूरा अनुपालन सुनिश्चित नहीं हो जाता।सुनवाई के दौरान सीजेआई ने डीडीए से सवाल किया, ष्आप हिसाब दीजिए कि पहले 1,16,000 पेड़ों का क्या हुआ? नए पौधे कितने लगाए गए और उनमें से कितने जीवित बचे हैं?उन्होंने जोर देकर कहा कि एक दिन में एक लाख से अधिक पेड़ नहीं लगाए जा सकते। पहले जमीन की खुदाई और तैयारी पूरी करनी होगी। कोर्ट ने कहा, ष्हम तब तक कुछ भी नहीं होने देंगे, जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हमारे निर्देशों का पालन हो रहा है या नहीं।ष डीडीए के वकील सीनियर एडवोकेट मनिंदर सिंह ने बताया कि रिज जंगल के आसपास बाउंड्री वॉल का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है और ग्रेप (ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान) की पाबंदियों के कारण 28 फरवरी तक काम पूरा होने की उम्मीद है ।

मुरली मनोहर जोशी का पूरा जीवन देश के लिए समर्पित रहा : ब्रजेश पाठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पद्म विभूषण डॉ. मुरली मनोहर जोशी का सोमवार को 92वां जन्मदिन रहा। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दिग्गज नेता से मुलाकात कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ष्भाजपा के वरिष्ठ नेता हम सभी के अभिभावक मुरली मनोहर जोशी का जन्मदिन है। हम सभी कार्यकर्ता उन्हें बधाई देने पहुंचे। मुरली मनोहर जोशी का पूरा जीवन देश के आम नागरिकों और गरीबों के लिए समर्पित रहा।ष्उन्होंने कहा, ष्भाजपा के स्थापना काल से ही उन्होंने कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भर कर इस देश को नेतृत्व और मार्गदर्शन देने का काम किया है। ऐसे अवसर पर हम उन्हें उत्तर प्रदेश के लोगों की तरफ से बहुत–बहुत शुभकामनाएं देते हैं। साथ ही ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे लगातार हमें इसी तरह अपना आशीर्वाद देते रहें।ष ब्रजेश पाठक ने यूपी सरकार के गर्वनेंस की तारीफ करते हुए कहा, ष्उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में बेहतर और अच्छे से काम कर रही है। आज के समय में हम रेवेन्यू सरप्लस स्टेज पर हैं। हमारा इन्फ्रास्ट्रक्चर पूरे राज्य में नंबर एक की तरफ है।

पुराने पाप खुलने का सता रहा डर : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन अधिनियम के विरोध को लेकर भारत गुट की कड़ी आलोचना की और कहा कि अगर वे इस कानून का समर्थन करते हैं तो उनके पुराने कुकर्म उजागर हो जाएंगे। इस अधिनियम को एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक सुधार साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह प्रेस कॉन्फ्रेंस इसलिए बुलाई गई है क्योंकि जिन लोगों पर वर्षों से देश के संसाधनों को लूटने का आरोप है, वे अब बेनकाब होने से चिंतित हैं। मुख्यमंत्री योगी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि आज की हमारी प्रेस कॉन्फ्रेंस प्रधानमंत्री द्वारा संसद के हालिया शीतकालीन सत्र के दौरान उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों के बारे में है... इस संबंध में एक महत्वपूर्ण अधिनियम पारित किया गया है, जिसे वीबी–जी राम जी अधिनियम, 2025 के नाम से जाना जाता है। यह अधिनियम भारत के ग्रामीण विकास परिदृश्य में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस की आवश्यकता इसलिए उत्पन्न हुई है क्योंकि जिन्होंने लंबे समय तक देश के संसाधनों को लूटा है, गरीबों को भूखा मरने और युवाओं को पलायन करने और बेरोजगारी की पीड़ा झेलने के लिए मजबूर किया है, वे अब चिंतित हैं कि यदि वे ऐसे सुधारों और ग्रामीण विकास के प्रति इस पारदर्शी दृष्टिकोण और विकसित भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं, तो उनके कुकर्म उजागर हो जाएंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वीबी जी राम–जी अधिनियम एक नए भारत की नींव होगा, और कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी साकार हो सकता है जब राज्य विकसित हों, जो तभी प्राप्त किया जा सकता है जब इसकी मूलभूत इकाई, गांव, विकसित हो। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी और श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जाएगा, तभी विकसित भारत का दृष्टिकोण आगे बढ़ेगा।

पीयूष गोयल का बड़ा आरोप, तमिलनाड में डीएमके सरकार कर रही सनातन धर्म का अपमान

नई दिल्ली, (एजेंसी)।केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले पर संतोष व्यक्त किया, जिसमें तिरुप्परनकुंड्रम मंदिर के दीपपथून पर दीप प्रज्ज्वलन संबंधी न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन के आदेश को बरकरार रखा गया था। उन्होंने तमिलनाडु सरकार पर सनातन धर्म का अपमान करने, उपहास उड़ाने और उस पर हमला करने का आरोप लगाया। राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सितंबर 2023 में सनातन धर्म को ही जड़ से खत्म करने की दुस्साहसी और निंदनीय मांग की थी। उन्होंने आगे कहा कि कुछ महीनों बाद ही भगवान कार्तिकेय और भगवान मुरुगन से जुड़े तिरुप्परनकुंड्रम पर्वत पर दीप प्रज्ज्वलन पर प्रतिबंध लगा दिया गया। गोयल ने कहा कि यह महज एक संयोग नहीं है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन, उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन और डीएमके के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने लगातार सनातन धर्म की निंदा, उपहास और उस पर हमले किए हैं। 2 सितंबर 2023 को उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म के उन्मूलन की एक दुस्साहसी और निंदनीय मांग रखी और उसके कुछ महीनों बाद पहली बार भगवान कार्तिकेय, भगवान मुरुगन से जुड़े तिरुपरनकुंड्रम पर्वत पर दीपक जलाने से रोका गया।

विकसित भारत–जी राम जी योजना के बारे में विपक्ष फैला रहा गलत जानकारी : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को चंडीगढ़ में प्रेसवार्ता कर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग शविकसित भारत–जी राम जीश के बारे में झूठी जानकारी फैला रहे हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, ष्आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस एक जरूरी मुद्दे पर है और मैं हरियाणा के उन लोगों के लिए आया हूं, जो विपक्ष द्वारा फैलाए गए धोखे और झूठ से प्रभावित हुए हैं। हमारे मनरेगा मजदूर प्रभावित हुए हैं क्योंकि कांग्रेस झूठ फैलाने में माहिर है।उन्होंने कहा कि आज मैं एक बात कहना चाहता हूं, ये झूठ अब और नहीं चलेंगे। लोग समझ गए हैं कि झूठ ज्यादा समय तक नहीं टिक सकता। अगर कोई बार–बार झूठ फैलाकर मैदान में आएगा, तो लोग उसे नजरअंदाज कर देंगे। जनता भी सब समझ गई है, इसीलिए उनके बहकावे में नहीं आने वाली है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, ष्आज मैं कांग्रेस और इंडिया गठबंधन द्वारा विकसित भारत ग्राम योजना के बारे में झूठ फैलाने की कोशिश के बारे में बात करना चाहता हूं। इस योजना के बारे में बहुत सारी गलत जानकारी फैलाई जा रही है। पहले इसे मनरेगा कहा जाता था, फिर नरेगा और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इस योजना में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं।विकसित भारत–जी राम जीश योजना पर हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा, ष्इस योजना के माध्यम से लोगों को काफी फायदा होने वाला है। देश और गांव के विकास में अहम भागीदारी देखने को मिलने वाली है। इससे पहले भी कांग्रेस ने कई बदलाव किए हैं। मनरेगा योजना को 20 साल पहले शुरू किया गया था।ष उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष के पास कोई सुझाव था तो संसद में रख सकते हैं, लेकिन ये लोग वहां से चले गए और अब लोगों में अफवाह फैला रहे हैं।

गृह मंत्री अमित शाह के 5 बड़े आरोपों से घिरी डीएमके सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा नेता एएनएस प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डीएमके सरकार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पर भ्रष्टाचार, दमन, वंशवादी राजनीति, हिंदू विरोधी होने और केंद्रीय निधियों के बारे में जनता को गुमराह करने के पांच गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन आरोपों के लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। भाजपा नेता ने तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके सरकार की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा की गई तीखी आलोचना का हवाला देते हुए उनके हालिया बयान को भी याद किया, जिसमें उन्होंने डीएमके सरकार को देश की सबसे भ्रष्ट सरकार बताया था। 4 जनवरी को पुदुक्कोट्टई में एक जनसभा में शाह ने डीएमके पर तीखा हमला करते हुए कहा, डीएमके सरकार देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है। क्या द्रविड़ मॉडल की यह सरकार, जो तमिलनाडु में किसी भी काम के लिए 20: कमीशन मांगती है, राजस्व और ऋणों पर निर्भर रहकर राज्य को पतन की ओर ले जा रही है, जनहितैषी राजनीति है? शाह ने आगे सवाल किया, क्या यह उचित है कि सफाईकर्मियों, शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, डॉक्टरों, किसानों और अन्य विरोध प्रदर्शन करने वालों को गिरफ्तार किया जाए, उन पर हिंसा की जाए और उन्हें जेल भेजा जाए?ष गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री पर भ्रष्टाचार और बड़े घोटालों में संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए कहा, ष्मुख्यमंत्री स्टालिन का एकमात्र लक्ष्य उदयनिधि को मुख्यमंत्री बनाना है! जब मंत्री भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, सरकारी नौकरियों के लिए रिश्वत लेकर जेल जाने से लेकर मनी लॉन्ड्रिंग, कोयला घोटाले और 6,000 करोड़ रुपये के घोटालों में पकड़े जाने तक, क्या तमिलनाडु विकास हासिल कर सकता है। उन्होंने दावा किया कि डीएमके फासीवादी शैली की राजनीतिष कर रही है और हिंदुओं के खिलाफ ष्अत्याचारष कर रही है, नियमित रूप से हिंदू धर्म और सनातन धर्म का अपमान कर रही है (उदयनिधि स्टालिन की अतीत की उस टिप्पणी का हवाला देते हुए जिसमें उन्होंने इसकी तुलना बीमारियों से की थी), हिंदू जुलूसों और मूर्ति विसर्जन पर प्रतिबंध लगा रही है। उन्होंने रैली में कहा कि तमिलनाडु में हिंदुओं, हिंदू धर्म और हिंदू देवी–देवताओं के खिलाफ फासीवादी राजनीति की जा रही है। क्या डीएमके सरकार अल्पसंख्यक वोट बैंक की राजनीति के नाम पर हिंदुओं की धार्मिक मान्यताओं को कमजोर करने के उद्देश्य से अपने दमनकारी कार्यों को जारी रख सकती है।

पीएम मोदी ने कहा- हम उर्जा सेक्टर में आत्मनिर्भर बन रहे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशाख रिफानरी में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की ओर से रेसिड्यू अपग्रेडेशन फैसिलिटी (आरयूएफ) का ऑपरेशन शुरू किए जाने के बाद इसकी तारीफ की है। उन्होंने कहा कि यह अत्याधुनिक प्लांट हमारी ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने के प्रयासों को नई गति प्रदान करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के शएक्सश पोस्ट पर जवाब देते हुए लिखा, ष्यह अत्याधुनिक फैसिलिटी ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देने की हमारी कोशिशों को गति देती है, जिससे हम इस सेक्टर में आत्मनिर्भर बन रहे हैं इससे पहले, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शएक्सश पोस्ट में जानकारी दी कि विशाख रिफाइनरी में एचपीसीएल की रेसिड्यू अपग्रेडेशन फैसिलिटी के सफल चालू होने के साथ ही भारत की ऊर्जा सुरक्षा हासिल करने की यात्रा में एक मील का पत्थर स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में यह महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के दूरदर्शी नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक निर्णायक कदम है। हरदीप सिंह पुरी ने लिखा,। यह फैसिलिटी स्वदेशी इंजीनियरिंग का एक बेहतरीन नमूना है, जिसमें 2,200 मीट्रिक टन वजनी तीन एलसी–मैक्स रिएक्टर हैं, जो दुनिया के सबसे भारी इंजीनियरिंग ब्लॉकों में से हैं।ष उन्होंने बताया कि ये सभी ब्लॉक भारत में ही बनाए और असेंबल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 3.55 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) क्षमता वाली यह सुविधा एडवांस्ड रेसिड्यू हाइड्रोक्रैकिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करती है, जिससे कच्चे तेल के निचले हिस्से का लगभग 93 प्रतिशत उच्च–मूल्य उत्पादों में बदलना संभव हो पाता है। इससे हर बैरल तेल का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल सुनिश्चित होगा और देश की बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने शएक्सश पोस्ट में लिखा, ष्कच्चे तेल को रिफाइन करने के तरीके की दिशा में एक मील का पत्थर। एचपीसीएल की विशाख रिफाइनरी में दुनिया है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने चुनाव प्रचार की कमान संभाली

मुंबई, (एजेंसी)। पुणे नगर निकाय चुनावों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रचार की कमान संभाली। इस दौरान पुणे के कटराज में एक रैली के दौरान फडणवीस ने विपक्ष पर निशाना साधा। मंच पर भाषण के दौरान फडणवीस पानी पीने के लिए रुके। इसके बाद उन्होंने कहा कि मैं यहां पानी पी रहा हूं, लेकिन चुनाव में विरोधियों को पानी पिलाने वाला हूं। पुणे में चुनाव प्रचार के दौरान शिंदे की शिवसेना की नेता नीलम लतिका दिवाकर गोरहे ने कहा, शहम जहां भी (चुनाव प्रचार के लिए) गए, लोगों ने हमारा प्यार से स्वागत किया। वे महिलाएं जो कभी पानी की समस्या या अन्य परेशानियों से जूझती हैं और कभी–कभी गुस्से में रहती हैं, उनका गुस्सा हमारे प्रति बिल्कुल भी दिखाई नहीं देता। गोरहे ने कहा, शएकनाथ शिंदे का काम लोगों के दिलों तक पहुंच गया है और पुणे नगर निगम और इस क्षेत्र में हमारे चारों उम्मीदवारों के परिवारों में कोई बड़ा राजनीतिक व्यक्ति नहीं है। फिर भी वे सेवा करने के लिए राजनीति में आए हैं। वहीं, कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कोलाबा विधानसभा के तहत तीन वार्डों के चुनाव को रद्द करने की मांग की है। उन्होंने कहा, शकोलाबा विधानसभा क्षेत्र में तीन वार्ड हैं, जिनका प्रतिनिधित्व भाजपा के विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर करते हैं। भाजपा ने इन तीनों वार्डों में नार्वेकर के करीबी रिश्तेदारों को टिकट दिए हैं। लेकिन उसके बाद क्या हुआ? नामांकन दाखिल करने वालों को धमकाया गया। मैं मांग करता हूं कि कोलाबा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तीनों वार्डों में संपूर्ण चुनाव रद्द किया जाए।

सोनिया गांधी को अदालत से मिली मोहलत, वोटर लिस्ट `जालसाजी´ मामले में देना है जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को उस याचिका का जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया, जिसमें मतदाता सूची में कथित जालसाजी के जरिए उनका नाम शामिल किए जाने के आरोपों पर थ्प्त् दर्ज करने के निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका मैजिस्ट्रेट के उस आदेश को चुनौती देते हुए दाखिल की गई है, जिसमें आरोप की जांच से इनकार कर दिया गया था। आरोप के मुताबिक 1983 में भारतीय नागरिकता हासिल करने से 3 साल पहले ही सोनिया गांधी का नाम वोटर लिस्ट में मौजूद था।स्पेशल जज विशाल गोगने ने सोनिया गांधी की ओर से पेश वकील के अनुरोध को मंजूर कर लिया और मामले की सुनवाई 7 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी। स्पेशल जज ने बीते साल 9 दिसंबर को इस याचिका पर सोनिया गांधी और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था। यह रिवीजन याचिका राउज एवेन्यू कोर्ट के 'सेंट्रल दिल्ली कोर्ट बार एसोसिएशन' के उपाध्यक्ष एडवोकेट विकास त्रिपाठी ने दायर की है।एडवोकेट विकास त्रिपाठी की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट पवन नारंग ने मजिस्ट्रेट के सामने आरोप लगाया था कि जनवरी 1980 में सोनिया गांधी का नाम नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता के रूप में जोड़ा गया था, जबकि वह भारतीय नागरिक नहीं थीं। याचिका में विकास त्रिपाठी ने 'जालसाजी और धोखाधड़ी' का दावा किया है।11 सितंबर के आदेश में मजिस्ट्रेट अदालत ने मुद्दे को पूरी तरह से अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया था। अदालत ने कहा था कि उसके लिए ऐसी जांच शुरू करने की कोशिश भी करना, सक्षम संवैधानिक प्राधिकारियों (केंद्र सरकार और चुनाव आयोग) को सौंपी गई ।

प्रियंका गांधी को मिली कांग्रेस की नई जिम्मेदारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेतृत्व का मानना घ्है कि असम में एक निष्क्रिय आंतरिक नेटवर्क, जिसे पार्टी संभावित स्लीपर सेल कहती है, अभी भी सक्रिय है और संगठनात्मक निर्णयों को प्रभावित कर रहा है। वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, जो कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए, राज्य में कांग्रेस ढांचे के भीतर कुछ व्यक्तियों पर अपना प्रभाव बनाए हुए हैं। पार्टी को अब उम्मीद है कि प्रियंका गांधी वाड्रा की अधिक सक्रिय भागीदारी इस प्रभाव को बेअसर करने में सहायक होगी। पिछले असम विधानसभा चुनावों के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा पर्दे के पीछे काफी सक्रिय रहीं, हालांकि चुनाव प्रचार के दौरान वह सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आईं। उस समय भूपेश बघेल राज्य के वरिष्ठ पर्यवेक्षक के रूप में कार्यरत थे। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों का मानना घ्है कि प्रियंका का सशक्त नेतृत्व, रणनीतिक स्पष्टता और कार्यकर्ताओं से जुड़ने की क्षमता संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करने और शर्मा के जाने के बाद बचे किसी भी अप्रत्यक्ष प्रभाव का मुकाबला करने में सहायक हो सकती है। पार्टी का असम पर दोबारा ध्यान केंद्रित करना स्पष्ट राजनीतिक गणनाओं से प्रेरित है। पश्चिम बंगाल, जहाँ कांग्रेस का कोई मजबूत संगठनात्मक आधार नहीं है, या तमिलनाडु, जहाँ वह एक कनिष्ठ सहयोगी बनी हुई है, के विपरीत, पार्टी नेताओं के अनुसार, असम कांग्रेस को वापसी का एक वास्तविक अवसर प्रदान करता है। प्रियंका गांधी केरल में संगठनात्मक जिम्मेदारी भी नहीं ले सकतीं, क्योंकि आंतरिक नियमों के अनुसार नेता उन राज्यों में पद धारण नहीं कर सकते जहाँ से वे सांसद हैं, क्योंकि इससे निहित स्वार्थों की आशंका पैदा हो सकती है। इन सीमाओं को देखते हुए, असम प्रियंका गांधी के लिए कमान संभालने और राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने के लिए सबसे आशाजनक क्षेत्र के रूप में उभरा है। कांग्रेस नेताओं का मानना घ्है कि प्रियंका की उपस्थिति से पार्टी को एक मजबूत छवि बनाने, लगातार सुर्खियों में बने रहने और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने में मदद मिलेगी। उनकी भागीदारी से असम में सत्ता पुनः प्राप्त करने के प्रति पार्टी की गंभीरता का संकेत मिलेगा और गठबंधन सहयोगियों को भी गति मिलेगी।

संपादकीय

प्रतिभा नहीं काफी पर्याप्त

यह प्रश्न हमेशा मौजूद रहा है कि भारत पदक तालिका में अपनी मौजूदा दयनीय स्थिति से कैसे उबरे। बिंद्रा समिति इसका मूलमंत्र बताया है कि खेल प्रशासन को पेशेवर बनाना, जिसमें जवाबदेही तय करने की करने की ठोस व्यवस्था हो। सिर्फ प्रतिभा की बदौलत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल में सफलता कभी– कभार ही मिल सकती है। निरंतरता लानी हो, तो उसका राज पेशेवर नजरिया है। ओलिंपिक या अन्य खेल आयोजनों में पदक जीतने के ऐसे नजरिए से संचालित सिस्टम अपरिहार्य है। यह सार–संक्षेप है कि 170 पेज की रिपोर्ट का, जिसे ओलिंपिक खेलों में भारत के पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा के नेतृत्व वाली कमेटी ने तैयार किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में भारत का प्रदर्शन कैसे बेहतर हो, इस पर सुझाव देने के लिए यह समिति केंद्रीय खेल मंत्रालय ने बनाई थी। भारत ने 2036 के ओलिंपिक खेलों की मेजबानी का दावा पेश किया हुआ है। संभवतरू उसके मद्देनजर सरकार ने विशेष तैयारी की जरूरत महसूस की है। बहरहाल, आयोजन भारत में हो या नहीं, यह कठिन प्रश्न तो हमेशा ही मौजूद रहा है कि भारत पदक तालिका में अपनी मौजूदा दयनीय स्थिति से कैसे उबरे। बिंद्रा समिति इसका मूलमंत्र बताया है कि खेल प्रशासन को पेशेवर बनाना, जो देश की वास्तविक खेल क्षमता के बारे में स्पष्ट राष्ट्रीय खाका बना सके और खिलाड़ियों की प्रगति का आकलन कर सके। साथ ही जिसमें जवाबदेही तय करने की करने की कारगर व्यवस्था हो। प्रतिभाओं को तराशने के लिए समिति ने नेशनल काउंसिल फॉर स्पोर्ट्स एजुकेशन एंड कैपेसिटी बिल्डिंग नाम की संस्था बनाने का सुझाव दिया है। साथ ही खेल प्रशासन से जुड़ी मौजूदा संस्थाओं को पेशेवर बनाने की सिफारिश की है। सार यह है कि समिति ने देश में खेल ढांचा निर्मित करने की वकालत की है। यह नजरिया उससे बिल्कुल अलग है, जिसके तहत 2016 में नीति आयोग ने टॉप्स योजना (टारगेट ओलिंपिक्स पॉडियम स्कीम) बनाई थी। सोच यह थी कि व्यक्तिगत प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें ओलिंपिक पदक के लिए तैयार किया जाए। इसके तहत 2024 तक 50 पदक जीतने का लक्ष्य रखा गया, लेकिन असल में छह पदक मिले, जिनमें स्वर्ण पदक एक भी नहीं था। तो अब बिंद्रा समिति ने नजरिया बदलने का सुझाव दिया है। क्या इस पर अमल होगा? कहना कठिन है, क्योंकि पेशेवर नजरिया और जवाबदेही जैसे शब्द फिलहाल हमारे शब्दकोश में नहीं हैं।

2025 का भारत : ईसाई अल्पसंख्यकों की दुर्दशा

राम

एक के बाद एक राज्य धर्मांतरण विरोधी कानून बनाते जा रहे हैं जिन्हें श्धर्म स्वतांत्र्य अधिनियमश का नाम दिया जाता है। इनसे ईसाई समुदाय की धार्मिक गतिविधियों में तरह–तरह की बाधाएं और कठिनाईयां खड़ी हो गई हैं। पॉस्टरों और पादरियों को धर्मपरिवर्तन कराने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया जाता है और वे सालों तक निरर्थक कानूनी झंझटों में उलझे रहते हैं। अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के खिलाफ हिंसा हमारे देश में आम हो गई है। उसका स्वरूप और तीव्रता बदलती रहती है पर मुसलमानों को डराने–धमकाने का सिलसिला कभी थमता नहीं है। दूसरे सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय, ईसाईयों, को भी बख्शा नहीं जाता हालांकि उनके खिलाफ हिंसा की खबरें यदाकदा ही सामने आती हैं। इसकी मुख्य वजह यह है कि हिंसा इतने छोटे स्तर पर होती है कि उसका पता ही नहीं चलता। मगर क्रिसमस के आसपास वह साफ नजर आने लगती है।हमें 1990 का दशक याद है जब ओडिशा और गुजरात में हिंसा हुई थी और लगभग उसी दौरान अटल बिहारी वाजपेयी ने टिप्पणी की थी कि धर्मपरिवर्तन के मुद्दे पर राष्ट्रीय बहस की आवश्यकता है। धर्मपरिवर्तन ईसाई समुदाय से जुड़े विभिन्न आयोजनों पर हमले करने का मुख्य बहाना रहा है। उनकी प्रार्थना सभाओं, चर्चों में होने वाली बैठकों और समारोहों के दौरान हिंसा की अधिक घटनाएं होती हैं। इस साल भी क्रिसमस से जुड़े कार्यक्रमों के दौरान हिंसा हुई।हिंदुत्व के मैदानी कार्यकर्ताओं के लिए फुटपाथ पर क्रिसमस से संबंधित सामान जैसे टोपियां, कपड़े आदि बेच रहे दुकानदारों पर हमले करना एक जश्न मनाने जैसा था। कई जगहों पर उन्होंने सांता क्लाज की प्रतिकृतियों को तोड़ा, चर्चों को नुकसान पहुंचाया और क्रिसमस से जुड़ी सामग्री बेच रही दुकानों पर हमला किया। स्तंभकार तवलीन सिंह ने इंडियन एक्सप्रेस में लिखा, शहिन्दुत्व के अधिक दुस्साहसी सैनिक चर्चों में घुस गए और उन्होंने वहां हिंसा और वहशी हरकतें करते हुए प्रार्थनाओं में बाधा डाली। उन्होंने अपनी इन श्उपलब्धियोंश के वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए। इनमें से एक में मैंने देखा कि जबलपुर में एक भाजपा नेत्री एक चर्च में प्रवेश करती है और आक्रामक भाषा में एक नेत्रहीन महिला को धमकाते हुए उस पर हिंदुओं का धर्मपरिवर्तन कर उन्हें ईसाई बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाती है...क्रिसमस के उत्सवों में बाधा डालने के लगभग 100 प्रयास किए गए और लगभग सभी उन राज्यों में हुए जहां भाजपा का शासन है। किसी को भी दंडित नहीं किया गया और किसी भी मुख्यमंत्री ने खुलकर हिंसा की आलोचना नहीं कीश।इन घटनाओं की खबरें अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी प्रसारित और प्रकाशित हुईं। कुछ समाचारपत्रों ने उनके देशों में बदले की भावना से हिन्दुओं के साथ हिंसा होने की संभावना भी जताई। इन घटनाओं को लेकर भारत सरकार के रवैये का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि उसने पूरी तरह चुप्पी साध रखी है। यह कोई संयोग मात्र नहीं है कि हिंसा की ज्यादातर घटनाएं भाजपा–शासित राज्यों में हो रही है। हम खुशकिस्मत हैं कि हमारे प्रधानमंत्री नॉन बायोलॉजिकल हैं और इसलिए इस सबके बीच भी वे चर्च में जाकर प्रार्थना कर लेते हैं! यह बहुत ही दिलचस्प था कि जब चर्च में हिन्दुत्व के सर्वोच्च नेता ईसाई धर्म के प्रति सम्मान दिखा रहे थे तब उनके अनुयायी चर्चों और सड़कों पर ईसाई–विरोधी गुंडागर्दी कर रहे थे।सिटीजन्स फॉर जस्टिस एंड पीस (24 दिसंबर 2025) ने अपनी रपट में ईसाई–विरोधी हिंसा में हुई जबरदस्त बढ़ोतरी का सारगर्भित विवरण किया है। श्वर्ष 2014 से 2024 के बीच ईसाई–विरोधी हिंसा की दस्तावेजीकृत घटनाओं की वार्षिक संख्या 139 से बढ़कर 834 हो गई, जो 500 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि दर्शाता है। केवल 2025 में जनवरी से लेकर नवंबर तक ऐसी 700 से अधिक घटनाओं की सूचना प्राप्त हो चुकी है जो घरों, चर्चों, स्कूलों, अस्पतालों एवं अन्य संस्थाओं में घटित हुईं। इनसे दलित व आदिवासी ईसाई व महिलाएं सर्वाधिक प्रभावित हुईंश। यूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम ने अपनी 2025 की रपट में धार्मिक स्वतंत्रता के बुरे हालातों का हवाला देते हुए एक बार फिर भारत को श्विशिष्ट चिंता वाला देशश घोषित किए जाने की अनुशंसा की है। ह्यूमन राईट्स वॉच एवं अन्य संस्थाओं ने भी अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाली घटनाओं का दस्तावेजी विवरण दिया है।क्रिसमस के ठीक पूर्व हिंसा होना कोई नई बात नहीं है और एक बिशप ने रायपुर में चर्चों को हिंसा के प्रति आगाह किया था। रायपुर में कैथोलिक अर्चबिशप विक्टर हैनरी ठाकुर बहुत चिंतित थे। उन्होंने स्थानीय चर्चों, स्कूलों और अन्य संस्थानों को पत्र लिखकर उनसे सावधान रहने का अनुरोध किया था। श्कल (क्रिसमस के दिन) के लिए छत्तीसगढ़ बंद रखने के आह्वान के मद्देनजर मेरा मानना है और मेरा सुझाव है कि हमारे सभी चर्चों, कान्वेंटों और अन्य संस्थानों को लिखित अनुरोध कर स्थानीय पुलिस से सुरक्षा की मांग करनी चाहिए। कृपया मेरे सुझाव की ओर ध्यान दें क्योंकि ऐसा लगता है कि ओडिशा के कंधमाल की तरह यहां भी क्रिसमस के ठीक पहले कुछ करने की योजनाएं बनाई जा रही हैंश। 2007 और 2008 में ओडिशा में क्रिसमस के आसपास भारी हिंसा हुई थी। इस प्रायोजित हिंसा ने 2008 में भीषण रूप ग्रहण कर लिया था। लगभग 7,000 ईसाईयों को घर छोड़कर भागना पड़ा था और 400 चर्चों में तोड़फोड़ की गई थी। इस पृष्ठभूमि में यह अपेक्षा थी कि चर्चों के विभिन्न स्तरों के कर्ताधर्ता ईसाईयों पर हुए हमलों को लेकर चिंता जाहिर करेंगे। लेकिन इस गंभीर मुद्दे पर उनकी चुप्पी से यह जाहिर होता है कि या तो उन्हें अपने समुदाय के लोगों की फिक्र नहीं है या इसके पीछे उनका कोई गुप्त निहित स्वार्थ है।हमने देखा है कि एक के बाद एक राज्य धर्मांतरण विरोधी कानून बनाते जा रहे हैं जिन्हें श्धर्म स्वतांत्र्य अधिनियमश का नाम दिया जाता है। इनसे ईसाई समुदाय की धार्मिक गतिविधियों में तरह–तरह की बाधाएं और कठिनाईयां खड़ी हो गई हैं। पॉस्टरों और पादरियों को धर्मपरिवर्तन कराने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया जाता है और वे सालों तक निरर्थक कानूनी झंझटों में उलझे रहते हैं। ईसाईयों के विरूद्ध धर्मपरिवर्तन को लेकर जो प्रोपेगेंडा चलाया जाता है उस पर विचार किया जाना आवश्यक है। भारत में ईसाई धर्म बहुत प्राचीन समय से है और इसका आगमन मालाबार तट पर सन् 52 में सेंट थामस के माध्यम से हुआ था। समाज में व्याप्त यह धारणा आधारहीन है कि यह ब्रिटिश राज के साथ भारत में आया। सन् 52 से 2011 तक, जब अंतिम जनगणना हुई, तब तक ईसाईयों की जनसंख्या देश की कुल जनसंख्या का 2.3 प्रतिशत थी। यह दावा कोई नहीं करता कि प्रयत्नपूर्वक धर्मपरिवर्तन की एक भी घटना नहीं हुई होगी। कहीं–कहीं ऐसा हुआ होगा मगर जनगणना के आंकड़ों के आधार पर 1971 से 2011 के बीच ईसाइयों की जनसंख्या पर यदि नजर डाली जाए तो पता लगता है कि 1971 में वे कुल जनसंख्या का 2.60 प्रतिशत थे, 1981 में 2.44 प्रतिशत 1991 में 2.34 प्रतिशत और 2011 में 2.30 प्रतिशत। इन आंकड़ों से हमें दिलचस्प जानकारी मिलती है और हकीकत सामने आ जाती है। पास्टर ग्राहम स्टेन्स पर धर्मपरिवर्तन में लिप्त होने के आरोप लगाए गए थे और जिन्हें उनके दो पुत्रों टिमोथी और फिलिप के साथ जिंदा जला दिया गया था। हत्या की इस भयावह घटना की जांच करने वाले वाधवा आयोग ने अपनी रपट में यह स्पष्टतरू कहा था कि क्योंझर, जहां पास्टर स्टेन्स कुष्ठ रोगियों की सेवा का कार्य करते थे, में ईसाईयों की संख्या में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई थी। ईसाई मिशनें कई शैक्षणिक संस्थाओं और अस्पतालों का संचालन कर रही हैं और ये अत्यंत लोकप्रिय हैं। धर्मपरिवर्तन की घटनाएं आदिवासी और दलित समुदायों में अधिक हुई हैं ।

खालिदा जिया की मौत से बीएनपी को मिल रहा 12 फरवरी के चुनावों में लाभ

नित्य चक्रवर्ती कई वामपंथी लोग अभी भी एनसीपी का हिस्सा हैं, हालांकि उनमें से कुछ ने हाल के हफ्तों में पार्टी छोड़ दी है। लेकिन जो लोग सच में एक विकल्प की तलाश में थे, उनके लिए मौजूदा एनसीपी ने जमात के साथ गठबंधन करके उनके सपनों को तोड़ दिया है, बिना जुलाई चार्टर पर आधारित अपने कार्यक्रम को लोगों तक पहुंचाने और उस आधार पर वोट मांगने की पूरी कोशिश किए। पड़ोसी बांग्लादेश में, राजनीतिक घटनाक्रम कई बार अप्रत्याशित मोड़ लेते हैं, लेकिन जुलाई क्रांति का नेतृत्व करने वाले छात्र संगठन की पार्टी एनसीपी और कट्टरपंथी जमात–ए–इस्लामी के बीच नवीनतम गठबंधन ने उन प्रगतिशील ताकतों को चौंका दिया है जिन्होंने उस विद्रोह का समर्थन किया था जिसके कारण 5 अगस्त, 2024 को शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार गिर गई थी।इस साल 12 फरवरी को राष्ट्रीय चुनाव होने हैं और नामांकन प्रक्रिया 21 जनवरी तक पूरी हो जाएगी। इसलिए अगले कुछ दिनों में, बांग्लादेश संसद की 300 सीटों के लिए उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए दोनों विरोधी गठबंधनों के बीच गहन बातचीत होगी। यह गठबंधन अभी भी एनसीपी के धर्मनिरपेक्ष सोच वाले कार्यकर्ताओं के एक वर्ग की आलोचना का सामना कर रहा है। इसके परिणामस्वरूप बहुत से इस्तीफे हुए हैं, लेकिन एनसीपी का मुख्य नेतृत्व जमात के साथ सीटों के बंटवारे के साथ आगे बढ़ रहा है।बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया की 31 दिसंबर को लंबी बीमारी के बाद मौत से आम बांग्लादेशी नागरिकों के बीच सहानुभूति की लहर फैल गई है, जो पार्टी संबद्धता से परे है। यह उनके अंतिम संस्कार में लोगों की भारी भीड़ और जिस तरह से पूरे देश ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया, उससे स्पष्ट था, ऐसे समय में जब लोग 12 फरवरी के चुनावों के बाद खालिदा जिया के फिर से प्रधानमंत्री बनने के साथ बीएनपी की सत्ता में वापसी की बात कर रहे थे।खालिदा के बेटे तारिक रहमान अब बीएनपी के अध्यक्ष हैं और वह बीएनपी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हैं, जो अपने उम्मीदवारों को 90 प्रतिशत से अधिक सीटों पर नामांकन दाखिल करने की योजना बना रही है, जिसमें कुछ सीटें अपने सहयोगियों, जिसमें निर्दलीय भी शामिल हैं, के लिए छोड़ी गई हैं। जमात के साथ गठबंधन से असंतुष्ट कई एनसीपी नेताओं ने टिकट के लिए बीएनपी नेतृत्व से संपर्क किया है। तारिक इस पर अंतिम फैसला लेंगे। उन्होंने खुद तीन निर्वाचन क्षेत्रों से नामांकन दाखिल किया है।1 जनवरी तक, जनमत सर्वेक्षणों और सर्वे में बीएनपी को प्रमुख स्थिति में रखा गया है, जिसके बाद जमात है। पिछले चुनावों में, एनसीपी को लगभग 6 से 8 प्रतिशत वोट मिले थे। यही वजह थी कि एनसीपी ने गठबंधन के लिए जमात के साथ लॉबिंग की, क्योंकि दोनों का गठबंधन बीएनपी को कुछ चुनौती दे सकता है। लेकिन ढाका के राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि यह जमात–एनसीपी गठबंधन विफल हो सकता है, क्योंकि एनसीपी के समर्थक जमात के उम्मीदवारों को वोट नहीं देंगे और जमात के समर्थक निश्चित रूप से एनसीपी के उम्मीदवारों को वोट नहीं देंगे। दोनों पार्टियां अपने गतिविधियों और नीतियों में इतनी अलग हैं कि राजनीतिक जुड़ाव से बाहर आम लोगों के लिए, यह गठबंधन एक बड़ा मौकापरस्त गठबंधन है। एनसीपी के जो नेता गठबंधन के पक्ष में हैं, वे कहते हैं कि यह गठबंधन सिर्फ 12 फरवरी के चुनावों में बीएनपी का मुकाबला करने के लिए है, एनसीपी ने अपना कार्यक्रम कमजोर नहीं किया है, वह अपने जुलाई चार्टर पर कायम है और चुनाव खत्म होने के बाद भी उसी पर चलेगी। यह बात एनसीपी नेतृत्व को पता है कि हसीना सरकार को हटाने के आंदोलन में बड़ी भूमिका निभाने के बावजूद उसे लोगों का समर्थन नहीं मिल रहा है। अगर वह अकेले चुनाव लड़ती है, तो वह खत्म हो जाएगी, इसलिए उसने सम्मानजनक सीटें पाने के लिए जमात के साथ गठबंधन किया है, लेकिन इस प्रक्रिया में, पार्टी ने खुद को एक ऐसी पार्टी का सहयोगी बना लिया है जिसका बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ सांप्रदायिक तनाव भड़काने में बड़ी भूमिका है। सिर्फ भारतविरोधी गतिविधियों और नीतियों ने दोनों को एकजुट किया है, वरना उनमें कुछ भी समान नहीं है। हसीना सरकार गिरने के बाद शुरुआत में जब जमात के समर्थकों ने अल्पसंख्यकों पर हमला किया था, तो एनसीपी के छात्रों ने ही उन्हें संरक्षण दिया था।दरअसल, सिर्फ बांग्लादेश के लिए ही नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया के लिए भी, छात्र आंदोलन का भटकाव, जिससे फरवरी 2025 में नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) की स्थापना हुई, इस उपमहादेश के एक और देश में युवा आंदोलन के रास्ते से भटकने का एक और मामला है। एनसीपी ने अपनी स्थापना सम्मेलन में एक संक्रमण काल के कार्यक्रम की घोषणा की थी और हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश की धर्म आधारित राजनीति में एक प्रगतिशील विकल्प के रूप में उभरने की इच्छा रखी थी। एनसीपी ने प्रशासनिक सुधार, भ्रष्टाचारविरोधी और सरकार के कामकाज में पारदर्शिता के बारे में काफी बातें की थीं। कई वामपंथी लोग अभी भी एनसीपी का हिस्सा हैं, हालांकि उनमें से कुछ ने हाल के हफ्तों में पार्टी छोड़ दी है। लेकिन जो लोग सच में एक विकल्प की तलाश में थे, उनके लिए मौजूदा एनसीपी ने जमात के साथ गठबंधन करके उनके सपनों को तोड़ दिया है, बिना जुलाई चार्टर पर आधारित अपने कार्यक्रम को लोगों तक पहुंचाने और उस आधार पर वोट मांगने की पूरी कोशिश किए। बांग्लादेश में जो लोग एक असली विकल्प की तलाश में थे, उनके लिए अब कुछ भी नहीं बचा है। संभव है 12 फरवरी के चुनावों के बाद राजनीति पुरानी रूढ़िवादी पारंपरिक पार्टियों के पास वापस चली जाएगी। बांग्लादेश के प्रमुख अंग्रेजी दैनिक डेली स्टार ने साफ तौर पर कहा है, श्तो, यह गठबंधन उन वोटरों से ठीक–ठीक क्या कहता है जिन्होंने एनसीपी के श्नई राजनीतिश के वायदे पर भरोसा किया था? एक बात तो यह है कि यह बताता है कि वैचारिक स्पष्टता हमेशा बातचीत से तय हो सकती थी। अगर कई लोगों के लिए एनसीपी के प्रति शुरुआती आकर्षण उसकी युवा ऊर्जा थी...और अतीत से नाता तोड़ने की प्रतिबद्धता, वे गुण अब उसी पारंपरिक राजनीतिक हिसाब–किताब से छनते हुए दिख रहे हैं जिसकी उसने कभी आलोचना की थी। जिन युवा समर्थकों को उसने कभी लुभाया था, उनके पास अब निराशा और मोहभंग के बीच चुनाव करने का विकल्प बचा है, क्योंकि जिस पार्टी का उन्होंने समर्थन किया था, वह एक ऐसे समूह के साथ गठबंधन कर रही है।

असल 'धुरंधर' अमेरिका

हरिशंकर व्यास

यह तारीफ नहीं है। वह सत्यमेव जयते है, जिसका आधार बुद्धि ज्ञान और सैन्य शक्ति, दोनों के एवरेस्ट की वाह है। अमेरिका ने सन् 2025दृ26 में दिमाग से कृत्रिम बुद्धि को स्थापित कर जहां मानवता को चमत्कृत किया, वहीं तीन जनवरी 2026 की रात में उसके सैन्य बल ने वेनेजुएला देश के राष्ट्रपति को उठा कर विश्व को चौंकाया। व्यर्थ है इसके लिए डोनाल्ड ट्रंप को श्धुरंधरस्य बताना। असल सत्य ढाई सौ साल पुराने अमेरिका के उस संविधान, उस व्यवस्था का है, जिसमें असंभव को संभव बनाने का डीएनए व्यक्तिगत स्वतंत्रता के सांचे की धुन में निहित है। यह व्यवस्था की वह बुनावट है, जिसमें हर व्यक्ति असंभव को संभव बनाने के अवसर को खोजता है, लपकता है और उसमें अपने को खपाता है। भारत में हम लोग व्यक्तियों, चेहरों यानी राष्ट्रपतियों, नेताओं को ताकते हैं, जबकि धुरंधरी व्यवस्था से बनती है। सिस्टम से उत्प्रेरित व्यक्तिगत मानसिकता, वृत्ति और आचरण से ही फिर अर्थ (पूंजीवाद, नवाचार, तकनीक, वित्तीय धुरी), काम (इच्छा, व्यक्तिगत भोग, उपभोक्तावाद, प्रतिस्पर्धा, जुनून, विलासिता) तथा धर्म की सार्वभौमिक, सेक्युलर समझ पैठती है। निश्चित ही खांटी अमेरिकी लोग परलोक, जन्म जन्मांतर या मोक्ष मुक्ति की धारणाओं में नहीं जीते हैं। वे वर्तमान के सत्य में जीते हैं। वहां के नागरिक अंधविश्वासों, टोने टोटकों, भक्ति और झूठ से लगभग मुक्त हैं। वे अतीत में नहीं, आधुनिकता में आगे बढ़ते जाने के लिए सतत हाथ पांव मारते हैं। इसलिए डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका में भी वही है, जो जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बराक ओबामा या राष्ट्रपति आइजनहावर और उनके विदेश मंत्री जॉन फोस्टर डलेस के ष्डोनरो डॉक्ट्रिनष के शक्ति सूत्र में था। वेनेजुएला के ताजा प्रकरण में मुझे राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की कद काठी, भाव भंगिमा, बड़बोलेपन से बार बार सद्दाम हुसैन, कर्नल गद्दाफी, ओसामा बिन लादेन, इस्लामिक स्टेट के बगदादी आदि वे चेहरे याद होते हैं, जो कथित शक्ति, क्रूरता, बर्बरता के सूरमा भोपाली थे (इतिहास में एक नाम हिटलर भी है)। ये सब किसके शिकार हुए? अमेरिकी सैन्य ऑपरेशनों के। सही है कि इस काम में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपतियों की संख्या अधिक है, मगर डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपतियों ने भी संकोच नहीं किया। राष्ट्रपति बराक ओबामा ने ट्रंप के ताजा श्ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्वस्य की तरह ही श्ऑपरेशन नेप्च्यून स्पीयरस्य को हरी झंडी दी थी। पाकिस्तान के एबटाबाद में अमेरिका की नेवी सील टीम ने 9ध्11 हमलों के मास्टरमाइंड ओसामा को 1दृ2 मई 2011 की रात में मारने के ऑपरेशन को वैसे ही अंजाम दिया, जैसे इस तीन जनवरी की आधी रात को काराकास के राष्ट्रपति भवन में निकोलस मादुरो को दबोचने का सैन्य अभियान हुआ। सो, ओबामा हों या डोनाल्ड ट्रंप, ये उस अमेरिकी व्यवस्था के प्रतिनिधि हैं, जिसमें ओलंपिक मेडल जीतना सामान्य बात है, तो सिलिकॉन वैली में कृत्रिम बुद्धि (एआई) की रचना का प्रतिमान भी सामान्य हैय तो नौसेना की नेवी सील टीम हो या डेल्टा फोर्स या सीआईए, सभी अपनी क्षमताओं का वह जज्बा लिए होते हैं, जो वेयक्तिक धुन, टीम में पकती है और फिर बस उद्देश्य व कमांड की जरूरत होती है। ऐसे जज्बे वाले दूसरे देश का नाम इजराइल है। इजराइल की वजह यहूदियों का इतिहास बोध और संकल्प है। इजराइल ने 1948 में गठन के बाद से व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बूते ही अर्थ, धर्म, काम की मनुष्य वृत्तियों में नागरिकों और व्यवस्था को ऐसा बनाया है कि प्रधानमंत्री कोई हो, वह ज्ञात खतरों के प्रति कभी लापरवाह नहीं होता। इजराइली व्यवस्था भी चेक बैलेंस में पाबंद है। नेतन्याहू हों या कोई प्रधानमंत्री, वे संस्थाओं और व्यवस्थाओं की स्वतंत्रता, जीवंतता का गला नहीं घोंटते। तभी ये दो ही देश हैं, जो विश्व राजनीति में बतौर धुरंधर बाकी सभी देशों को ठेंगा दिखाते हैं। ये जो चाहते हैं, वह करते हैं, फिर भले कोई इसे दादागीरी कहे या गुंडागर्दी! सन् 2025 की जनवरी से इस तीन जनवरी की ताजा घटना में डोनाल्ड ट्रंप की पहचान मनमर्जी की है। इससे अमेरिकी पहचान बिगड़ी, तो अमेरिका में भी आर पार की राजनीति के पाले बने हैं। मगर अमेरिका के हित की कसौटी में गौर करें, तो ट्रंप के फैसले अर्थिकी, सैन्य क्षमता, उद्यमशीलता, सामाजिक संरचना, पूंजीवाद आदि, सभी कसौटियों में ठीक ही हैं। भाषा और तौर तरीकों का फर्क हैय अन्यथा राष्ट्रहित में उनके वैश्विक फैसलों (टैरिफ जंग, चीन को कसना, यूरोपीय देशों के सुरक्षा खर्च का बोझ घटाना, अपने से सटे दक्षिण अमेरिकी देशों यानी पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व की दादागीरी पर क्यों अमेरिका में कोई आपत्ति करेगा? वेनेजुएला के तानाशाह राष्ट्रपति को उठवाने के बाद ट्रंप ने कहा है, अब से ष्पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व पर फिर कभी सवाल नहीं उठेगा। अमेरिका बहुत लंबे समय से श्मुनरो डॉक्ट्रिनत्य पर अमल के प्रति लापरवाह था। अब से ऐसा नहीं होगा।ष ध्यान रहे, श्मुनरो डॉक्ट्रिनत्य का उद्देश्य लैटिन अमेरिका से विदेशी शक्तियों को बाहर रखना है। मतलब पूंजीवादी अमेरिका को अपने पिछवाड़े या पड़ोस में सोवियत संघ, रूस, वामपंथियों का प्रभाव बर्दाश्त नहीं। इस नीति के कारण उन्नीसवीं सदी में अमेरिका ने पनामा, निकारागुआ, क्यूबा, बोलीविया, चिली, अर्जेंटीना आदि सभी देशों में हस्तक्षेप किया।

संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता पर सवाल

उमेश

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अपदस्थ करके हथकड़ियों में उनके देश से उठाकर न्यूयॉर्क में लाने की घटना को लेकर भारत की संतुलित प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। अमेरिका से व्यापारिक रिश्तों को लेकर जारी बातचीत के बीच अमेरिकी कार्रवाई की कड़ी आलोचना राष्ट्रीय कूटनीतिक लिहाज से सही नहीं कही जाएगी। वैसे भी ट्रंप जैसे राष्ट्राध्यक्ष के दौर में तो कड़ी प्रतिक्रिया अपने राष्ट्रीय हितों को संकट में डालने जैसा ही माना जाएगा। लेकिन जिस तरह भारत के लोगों ने इस कार्रवाई के विरोध में प्रतिक्रिया जताई है, उसे भी भारतीय लोक की स्वाभाविक प्रक्रिया का ही हिस्सा माना जाना चाहिए। भारतीय लोक स्वभाव से ही लोकतांत्रिक है और उसे लोकतांत्रिक सत्ताओं का सैनिक कार्रवाई के जरिए उखाड़ना पसंद नहीं रहा है। भारतीय लोक का मानस कमजोर के पक्ष में खड़े होने का रहा है। इसलिए अधिसंख्य भारतीय प्रतिक्रियाएं निकोलस मादुरो के पक्ष और अमेरिका के विरोध में है। अमेरिकी कार्रवाई ने दो तरह प्रस्थापनाएं की हैं। पहली यह कि ताकतवर के लिए कुछ भी करना संभव है। वह उसे नियमों और कानूनों की परिभाषा में बांध सकता है। दुनिया लाख चिल्लाती रहे कि किसी राष्ट्राध्यक्ष की सत्ता को उखाड़ फेंकना और उसे गिरफ्तार करके अपने कानूनों के दायरे में लाना अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है, लेकिन इसका अमेरिका की सेहत पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ने जा रहा। अमेरिका ने एक तरह से इतिहास को ही दोहराया है। अमेरिका अपने हितों के खिलाफ जिस देश को सिर उठाते देखता है, उसके खिलाफ उसे सैनिक, कूटनीतिक और आर्थिक कार्रवाई करने में देर नहीं लगती। इस मौके पर जार्ज बुश सीनियर के दौर को याद किया जाना चाहिए। कुवैत में इराकी सेना की कार्रवाई के खिलाफ उन्होंने खाड़ी युद्ध छेड़ दिया था। बेशक इस युद्ध की आग में झुलसने के चलते वे सत्ता में दोबारा वापसी नहीं कर पाए। लेकिन उनके अधूरे कार्य को उनके बेटे जार्ज बुश जूनियर ने पूरा किया। बेशक इसके लिए मुस्लिम चरमपंथियों और ओसामा बिन लादेन के कुख्यात संगठन अलकायदा ने मौका मुहैया कराया। इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की सत्ता को तहस–नहस करने के लिए तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश जूनियर और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने एक बहाना बनाया। संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से इराक भेजे गए वैज्ञानिकों और पर्यवेक्षकों ने कथित रूप से रिपोर्ट दी कि इराक के पास व्यापक जनसंहार के रासायनिक हथियार हैं। अमेरिका की नजर में सद्दाम तानाशाह थे,इस लिहाज से ये हथियार मानवता के लिए घातक हो सकते थे।फिर क्या था,संयुक्त राष्ट्रसंघ के प्रस्ताव की आड़ में अमेरिका और ब्रिटेन ने इराकी शासन के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। अमेरिका की अगुआई वाली सेनाओं के हमले में इराक तहस–नहस हो गया। सद्दाम गिरफ्तार कर लिए गए, उनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया और उन्हें व्यापक नरसंहार का दोषी ठहराते हुए फांसी पर लटका दिया गया। बाद के दिनों में बीबीसी ने रिपोर्ट दी कि जिन घातक रासायनिक हथियारों को खत्म करने के नाम पर इराक पर मित्र देशों की सेनाओं ने हमला किया, असलियत में ऐसे हथियार तो इराक के पास थे ही नहीं। बीबीसी को यह खबर लीक करने का शक हथियार जांचने पहुंचे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य रहे ब्रिटिश वैज्ञानिक विलियम केली पर किया गया। बीबीसी के कई अधिकारियों और पत्रकारों को इस खबर के लिए अपनी नौकरी गवांनी पड़ी। एक सुबह टहलने गए विलियम केली भी रास्ते में मृत पाए गए। इराक में अमेरिकी तर्ज का लोकतंत्र स्थापित तो हो गया है,लेकिन क्या वहां शांति आ पाई है? कुछ ऐसा ही यक्ष प्रश्न वेनेजुएला को लेकर उभरने वाला है। सवाल यह है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई के बाद वेनेजुएला में जो सत्ता स्थापित हुई है, क्या वह सही मायने में लोकतंत्र स्थापित करके वहां नशा के कारोबार को रोक पाएगी। नशे के कारोबार की बात इसलिए की जा रही है, क्योंकि ट्रंप ने मादुरो पर बड़ा आरोप लगाया है कि वे नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रहे थे, जिससे अमेरिकी हितों को चोट पहुंच रही थी। हालांकि उनके इस आरोप को अमेरिका की ही उपराष्ट्रपति रहीं कमला हैरिस ने नकारा है। उनका कहना है कि ट्रंप की कार्रवाई की मूल वजह के पीछे तेल का खेल है। वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़ा कच्चे तेल का भंडार है। अनुमान है कि यह भंडार करीब 303 अरब बैरल है। लेकिन कच्चे तेल के उत्पादन में वह बहुत पीछे है। वैश्विक स्तर पर तेल उत्पादकों की जो सूची है, उसमें वेनेजुएला 21वें स्थान पर है। इसकी बड़ी वजह यह है कि उत्पादन के लिए वेनेजुएला के पास बुनियादी ढांचे की बेहद कमी है। इसके साथ ही मादुरो की सत्ता के चलते यहां लगातार अमेरिकी प्रतिबंध लगे हैं। इसकी वजह से वह उत्पादन नहीं कर पा रहा है। अमेरिकी प्रतिबंध के पहले तक भारत वेनेजुएला का दूसरे नंबर का तेल आयातक था। भारत की अमेरिकी कार्रवाई को लेकर संतुलित प्रतिक्रिया की एक बड़ी वजह भारतीय तेल कंपनियों का फंसा यहां पैसा है। कच्चे तेल के उत्पादन के लिए भारतीय तेल कंपनियों ने यहां निवेश कर रखा है। भारत के करीब नौ हजार करोड़ रूपए यहां फंसे हैं। उम्मीद की जा रही है कि बदली परिस्थितियों में भारत को यह रकम मिल सकती है या फिर तेल का आयात बढ़ सकता है। बहरहाल अमेरिका में भी एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जिसका मानना है कि मादुरो की गिरफ्तारी के पीछे ट्रंप की कोशिश अपने परिवार के नियंत्रण वाली तेल कंपनियों को फायदा पहुंचाना है। अमेरिकी कार्रवाई ने एक सवाल यह भी उठाया है कि क्या संयुक्त राष्ट्रसंघ की अब भी जरूरत है। इस कार्रवाई के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता एक बार फिर सवालों के घेरे में है। संयुक्त राष्ट्रसंघ को ट्रंप के अमेरिका ने एक बार फिर अंगूठा दिखाया है। अमेरिकी कार्रवाई के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ और उसके महासचिव की एक मात्र भूमिका बयान देने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने की रस्म तक सिमटी नजर आ रही है। अब दुनिया को सोचना होगा कि क्या ताकतवर ही दुनिया को चलाएंगे। क्या दुनिया में कमजोर राष्ट्रों, उनकी संप्रभुता और उनकी स्वतंत्रता का महत्व नहीं रहेगा। दिलचस्प यह है कि अमेरिका खुद को लोकतंत्र का सबसे बड़ा पहरूआ मानता है। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने लोकतंत्र की वह दुहाई देता रहता है। बेशक अंदरूनी स्तर पर उसके यहां लोकतंत्र मजबूत हो, लेकिन उसका मजबूत लोकतंत्र दुनिया में तानाशाही का माध्यम भी है, इसे भी दुनिया को देखना और समझना होगा। अमेरिकी कार्रवाई ने एक बार परमाणु अस्त्रों की प्रासंगिकता को भी साबित किया है।

संतान की लंबी आयु के लिए महिलाएं रखेंगी सकट चौथ का व्रत

लखनऊ, (संवाददाता)। संतान सुख, उनकी लंबी आयु और परिवार की खुशहाली के लिए महिलाएं मंगलवार को सकट चतुर्थी का व्रत रखेंगी। इसे तिलकुटा चौथ, संकष्टी चौथ और माघ कृष्ण चतुर्थी भी कहा जाता है। इस दिन भगवान को तिल, गुड़ और तिल से बने लड्डू का भोग लगाकर विधि–विधान से पूजा की जाती है। कहीं–कहीं गुड़ और तिल का सांकेतिक बकरा बनाकर उसको चांदी के सिक्के या चांदी की पायल से काटने की परंपरा भी है। इस व्रत में भगवान गणेश और चंद्र देव की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि

माघ कृष्ण चतुर्थी तिथि मंगलवार को सुबह 8:01 बजे से प्रारंभ होकर बुधवार को प्रातरू 6:52 बजे तक रहेगी। आम तौर पर व्रत उदया तिथि के अनुसार रखा जाता है लेकिन सकट चौथ में चंद्रमा की पूजा का विशेष महत्व होता है। छह जनवरी को चंद्रोदय चतुर्थी तिथि में हो रहा है, अतरू सकट चौथ का व्रत छह जनवरी, मंगलवार को ही रखा जाएगा। इसी दिन गणेश जी की पूजा और चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत पूरा किया जाएगा। छह जनवरी को चंद्रोदय समय रात 08:54 बजे होगा। इस दिन भगवान को तिल, गुड़ और तिल से बने लड्डू का भोग जरूर लगाना चाहिए। भगवान गणेश की पूजा के बाद चंद्र देव की पूजा होती है। इस व्रत का पारण चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद किया जाता है। चंद्र देव को अर्घ्य जल में दूध और तिल मिलाकर अर्पित करते हैं। छह जनवरी को सकट चौथ के दिन तीन शुभ योग बन रहे हैं, जो इस व्रत के महत्व को और बढ़ा देते हैं। सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 7:15 से दोपहर 12:17 बजे तक, प्रीति योग सुबह से लेकर रात 8:21 बजे तक। इसके बाद आयुष्मान योग का आरंभ होगा। इस दिन अश्लेषा नक्षत्र सुबह से दोपहर 12:17 बजे तक रहेगा, उसके बाद मघा नक्षत्र शुरू होगा।

बांग्लादेश से नैमिषारण्य दर्शन को आए श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ने से मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सीतापुर में नैमिषारण्य दर्शन को आए बांग्लादेशी श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ने से सोमवार को मौत हो गई। चिकित्सकों के अनुसार, प्रथम दृष्टया मौत का कारण हृदयाघात हो सकता है। पोस्टमार्टम के बाद इसकी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। बांग्लादेश से 120 श्रद्धालुओं का दल आया है। बांग्लादेश के याकूबपुर दागन भुइया अयकुबपुर निवासी सुकुमार शुत्रोधर (58) अपने पुत्र बिजोय शुत्रोधर व अन्य 118

श्रद्धालुओं के साथ नैमिषारण्य दर्शन करने आए थे। यह दल 18 दिसंबर को भारत आया था। सोमवार को सभी लोग नैमिषारण्य पहुंचे। इस दौरान सुकुमार शुत्रोधर की तबीयत खराब हो गई। उनके पुत्र बिजोय ने स्थानीय चिकित्सक को दिखाया। इसके बाद हालत में कुछ सुधार हुआ। देर रात अचानक उनकी तबीयत फिर खराब हुई। फिर हालत बिगड़ती ही चली गई। कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। चिकित्सकों के अनुसार, हृदयाघात से मौत होने की आशंका है।

संक्षिप्त खबरें

पेंशन अपडेशन की मांग, सेवानिवृत्त बैंककर्मियों का प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। ऑल इंडिया बैंक रिटायरीज फेडरेशन (एआईबीआरएफ) उत्तर प्रदेश के बैनर तले कपूरथला स्थित यूनियन बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय के सामने 300 से ज्यादा सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों ने पेंशन अपडेशन की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। बैंककर्मियों ने कहा कि हमारी मांगे 30 वर्षों से लंबित हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक को ज्ञापन देकर प्रधान कार्यालय को भेजने का भी अनुरोध किया। सभा को एआईबीआरएफ के प्रदेश अध्यक्ष आरके अग्रवाल, महामंत्री आरएम टंडन, अनूप शरन सिंह, सीबी बाजपेई, आरएन मेहरोत्रा, सुधीर कुमार आदि ने संबोधित किया।

औद्योगिक क्षेत्र में जल निकासी के लिए सीएनडीएस बनाएगा प्रोजेक्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। अमौसी और सरोजनीनगर औद्योगिक क्षेत्र में जल निकासी के मुद्दे पर सोमवार को फिर बैठक हुई। इसमें तय हुआ कि शहरभर के लिए जल निकासी के लिए जिम्मेदार सीएनडीएस इन औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भी व्यवस्था बनाएगा। जल्द से जल्द डीपीआर और प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाकर शासन को सौंपी जाएगी। कलेक्ट्रेट सभागार में नगर निगम, एडीएम पूर्वी, सिंचाई व जल निगम के अधिशासी अभियंता, यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबंधक और एनएचएआई के प्रोजेक्ट मैनेजर संग हुई इस बैठक में डीएम ने सख्ती दिखाई। एनएचएआई की ओर से बताया गया कि सरोजनीनगर में लखनऊ कानपुर रोड पर जो नाले बनाए गए हैं। वह कई जगह पर दो–दो मीटर की दूरी पर छूटे हुए हैं। जैसे सैनिक स्कूल के सामने दो मीटर की दूरी छूटी हुई है। स्टॉर्म वाटर के लिए ड्रेन बना हुआ है। एनएचएआई का कहना है कि अब अगर इसके समानांतर ड्रेन बना लिया जाए तो उससे पानी ले जाना आसान हो जाएगा। इस पर जल निगम और सीएनडीएस ने एक मत होते हुए कहा कि अलग अलग जगहों पर अंडरग्राउंड तार आदि भी पड़े हैं। समानांतर ड्रेन बनाने पर तीन गुना लागत आएगी। इस पर सीएनडीएस ने कहा कि वह विभिन्न एजेंसी तय कर सबसे पहले इसी एरिया का हल निकालेगा। जल्द से जल्द विस्तृत डीपीआर और प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाकर शासन को भेजा जाएगा।

500 करोड़ से मेट्रो के काम को मिलेगी रफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में मेट्रो के दूसरे चरण के काम के लिए सरकार की ओर से 500 करोड़ रुपये दे दिए गए हैं। बसंतकुंज के बीच मेट्रो के काम के लिए टेंडर हो चुके हैं। उम्मीद है कि दो महीने में निर्माण कार्य शुरू हो जाएंगे। चारबाग से बसंतकुंज के बीच 5801 करोड़ रुपये से काम होगा। आधी रकम केंद्र व राज्य सरकारों से मिलेगी। बाकी ऋण लिया जाएगा। करीब 11.16 किमी रूट पर 12 स्टेशन होंगे। निर्माण कार्य पांच वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य है। मेट्रो के अधिकारियों के अनुसार ग्राउंड, जियोटेक सर्वे कराए जा चुके हैं। विदेशी निवेश के लिए प्रयास हैं। चारबाग, मेडिकल कॉलेज व चौक चौराहे पर बनने वाले स्टेशनों की लोकेशन 500 मीटर तक आगे या पीछे हो सकते हैं।

सीमैप ने विकसित किए 14 स्वदेशी निर्देशक द्रव्य

लखनऊ, (संवाददाता)। आयुष औषधियों की गुणवत्ता, शुद्धता और विश्वसनीयता को मजबूत करने की दिशा में राजधानी स्थित केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। संस्थान ने 14 भारतीय निर्देशक द्रव्य विकसित किए हैं, जो भारत के स्वदेशी प्रमाणित संदर्भ पदार्थ (रिफरेंस मटीरियल) हैं। इससे आयुष, हर्बल और न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों की जांच और गुणवत्ता नियंत्रण को नई मजबूती मिलेगी। सीमैप के निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी और मुख्य वैज्ञानिक डॉ. करुणा शंकर ने बताया कि इससे भारतीय आयुष उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में और अधिक भरोसेमंद बनेंगे। साथ ही आयुष उद्योग में मानकीकरण, गुणवत्ता आश्वासन और वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ेगी। सीमैप और सीएसआईआर–राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एनपीएल) के संयुक्त प्रयास से विकसित इन फाइटोकेमिकल भारतीय निर्देशक द्रव्यों का विमोचन एनपीएल के 80वें स्थापना दिवस के मौके पर दिल्ली में किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, सीएसआईआर की महानिदेशक एवं डीएसआईआर की सचिव डॉ. एन. कलैसेल्वी तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष कुमार सारंगी मौजूद रहे। ये भारतीय निर्देशक द्रव्य आयुष औषधियों में उपयोग होने वाले कच्चे माल और उत्पादों की सटीक जांच, विधि सत्यापन और उपकरणों के कैलिब्रेशन में मदद करेंगे। अब तक इस तरह के मानकों के लिए उद्योग को विदेशी संदर्भ पदार्थों पर निर्भर रहना पड़ता था। इस पहल से आयात पर निर्भरता कम होगी और स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय निर्देशक द्रव्य भारतीय प्रमाणित संदर्भ सामग्री (सीआरएम) है जो माप की सटीकता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रयोगशालाओं और उद्योगों में एक बेंचमार्क के रूप में उपयोग होता है, जैसे सोने की शुद्धता जांचने (बीएनडी–4201) या वायु गुणवत्ता मानकों को मापने में, जिससे भारतीय उत्पादों की अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता बढ़ती है और माप अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होते हैं।

कनाडा के साथ करेंगे संयुक्त शोध, छात्र व फैकेल्टी एक्सचेंज भी

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के तीन राज्य विश्वविद्यालयों में कनाडा के साथ मिलकर संयुक्त शोध, छात्र व फैकेल्टी एक्सचेंज, कोर्स में बदलाव आदि विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे। इसके लिए सोमवार को राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में कैनेडियन हिंदू चैंबर ऑफ कॉमर्स तथा तीन राज्य विश्वविद्यालयों लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) व ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के साथ एमओयू हुआ। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं। अब इन्हें उच्चतम स्तर तक पहुंचाया जा रहा है। नए–नए पाठ्यक्रमों तथा नैक और एनआईआरएफ की उत्कृष्ट रैंकिंग मानकों के अनुरूप किए जा रहे कार्यों से गुणवत्तापूर्ण बदलाव हो रहा है। अभी और प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। कैनेडियन हिंदू चैंबर ऑफ कॉमर्स के ट्रस्टी नरेश कुमार चावड़ा ने कहा कि भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मांग बढ़ी है और भारतीय भाषाओं के अध्ययन के लिए कनाडा से छात्र भारत आएंगे। इस अवसर पर विशेष कार्याधिकारी राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ. पंकज एल जानी, विशेष कार्याधिकारी राज्यपाल अशोक देसाई, एकेटीयू के कुलपति जेपी पांडेय, लविवि की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा आदि उपस्थित थे।

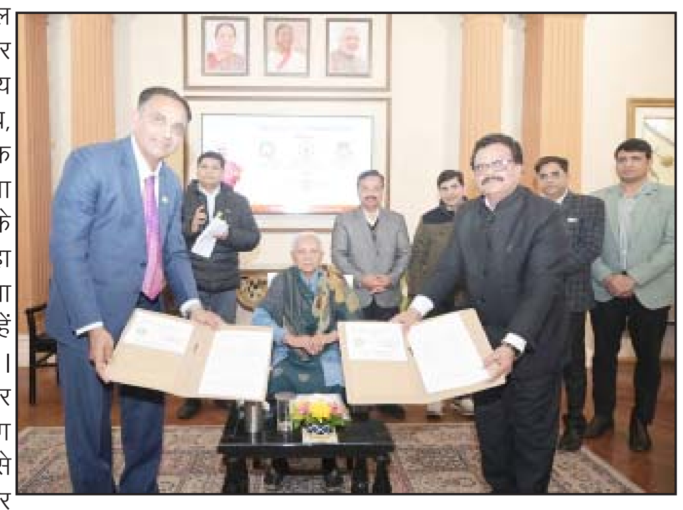

संक्षिप्त खबरें

मानकनगर स्टेशन पर रुकेगी इंटरसिटी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर रेलवे प्रशासन ने मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़–कानपुर सेंट्रल इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव मानकनगर स्टेशन पर दे दिया है। ट्रेनों का ठहराव दो अप्रैल तक दिया गया है। सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि ट्रेन 14123 मानकनगर स्टेशन पर सुबह 8:01 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन 14124 इस स्टेशन पर शाम 06:34 बजे पहुंचेगी। दोनों ओर से ट्रेन का ठहराव एक मिनट का रहेगा।

दो पीसीएस अफसरों के खिलाफ जांच शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। महापौर सुषमा खर्कवाल की शिकायत पर शासन ने नगर निगम के दो पीसीएस अफसरों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। शासन ने नगर आयुक्त गौरव कुमार से रिपोर्ट मांगी है। जिन दो अफसरों का मामला है, उनमें से नम्रता सिंह को दो सप्ताह पहले शासन ने नगर निगम से हटाकर जिला प्रशासन में तैनात किया है। मंगलवार को वह नगर निगम से भी कार्यमुक्त हो गई। तीन महीने पहले महापौर ने मार्ग प्रकाश विभाग में स्ट्रीट लाइटों के टेंडर की नियम–शर्तों को लेकर सवाल खड़े किए थे। उनका कहना था कि कुछ फर्मों को फायदा पहुंचाने के लिए इसमें बदलाव किया गया। उन्होंने अपर नगर आयुक्त ललित कुमार से जवाब तलब किया था। अपर नगर आयुक्त ने अपना पक्ष रखते हुए दोबारा टेंडर जारी किए थे। अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह पर आरोप था कि उन्होंने झूलेलाल घाट के आवंटन में देरी की, जिससे नगर निगम को तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ। इसे लेकर भी अपर नगर आयुक्त की ओर से तथ्यों के साथ जवाब दिया गया था। जानकारों का कहना है कि मामला सिर्फ महापौर की नाराजगी के चलते बढ़ा है। अफसर उनके कहने पर चलते तो जांच के झमेले में न फंसना पड़ता।

लेखपाल को हटाया, कानूनगो के खिलाफ कार्रवाई का आदेश

लखनऊ, (संवाददाता)। सरकारी जमीन को कब्जामुक्त कराने में विफल रहने पर डीएम ने सोमवार को मोहनलालगंज तहसील के संपूर्ण समाधान दिवस पर राजस्व निरीक्षक प्रहलाद तिवारी के खिलाफ आरोप पत्र जारी करने का आदेश दिया। आरोपी लेखपाल कमालपुर बिचलका पदमजा श्रीवास्तव को तहसील से हटाते हुए विभागीय कार्रवाई के लिए आदेश दिया है। प्रधान माता प्रसाद को भी नोटिस जारी करते हुए जवाब तलब करने के लिए कहा गया है। समाधान दिवस पर जिले की पांचों तहसीलों में 540 शिकायतें आईं, जिनमें से 125 का मौके पर निस्तारण किया गया। मोहनलालगंज तहसील में 230 में से 75 प्रकरणों का तत्काल समाधान कराया गया। कनकहा गांव के किसान गंगा प्रसाद ने बताया कि एसडीएम कोर्ट ने खेतों की मेड़बंदी का आदेश दिया था। राजस्व निरीक्षक व लेखपाल ने गलत मेड़बंदी कराकर गलत आख्या दी। किसान के साथ आया बेटा अनूप हंगामा करने लगा। इस पर डीएम ने तहसीलदार को जांच सौंपी है। सुल्तामऊ गांव के किसानों ने भी कुछ सरकारी जमीन बिल्डरों के चंगुल में होने की शिकायत की। समाधान दिवस में किसान गनेश प्रसाद बनकर शिकायत करने पहुंचे।

लखनऊ दर्शन इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस से मिलेगी राजधानी को नई पर्यटन पहचान

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ में पर्यटन को नई गति देने और शहर की ऐतिहासिक व सांस्कृतिक पहचान को सशक्त स्वरूप प्रदान करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल होने जा रही है। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह मंगलवार 06 जनवरी को सुबह 10 बजे 1090 चौराहे से लखनऊ दर्शन बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह बस पर्यटकों को एक ही यात्रा में लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक वैभव और आधुनिक शहरी विकास के विविध रंगों से रूबरू कराएगी। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक शहरी पर्यटन की अवधारणा को ध्यान में रखते हुए राजधानी लखनऊ एक नई दिशा में आगे बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा लखनऊ दर्शन इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस सेवा के दो सफल मॉक ड्रिल किए जाने के बाद अब इसे आम जनता और पर्यटकों के लिए नियमित रूप से शुरू किया जा रहा है। यह सेवा 07 जनवरी 2026 से आरंभ होगी, जिससे शहरवासियों और पर्यटकों को सिटी टूर का एक नया और आकर्षक अनुभव मिलेगा। यह पहल न केवल लखनऊ की समृद्ध विरासत को नए अंदाज में प्रस्तुत करेगी, बल्कि सतत और पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को भी मजबूती प्रदान करेगी। लखनऊ दर्शन बस सेवा पर्यटकों के लिए सुबह और शाम दोनों समय उपलब्ध कराई जाएगी। प्रातःकालीन यात्रा सुबह 08:30 बजे से 11:30 बजे तक होगी, जिसकी शुरुआत 1090 चौराहे से की जाएगी। इस दौरान पर्यटक राजभवन, जीपीओ और हजरतगंज के प्रमुख आकर्षणों का अवलोकन करेंगे। इसके बाद बस बेगम हजरत महल पार्क, ग्लोब पार्क और छतर मंजिल होते हुए 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े ऐतिहासिक रेजीडेंसी परिसर पहुंचेगी, जहां पर्यटकों को लगभग 40 मिनट तक भ्रमण का अवसर मिलेगा। सिब्तैनाबाद इमामबाड़ा से गुजरते हुए बस पुनः हजरतगंज पहुंचेगी, जहां विधान सभा भवन का विशेष भ्रमण कराया जाएगा। इसके उपरांत राजभवन और कैथेड्रिल चर्च के मार्ग से बस उत्तर प्रदेश दर्शन पार्क पहुंचेगी, जहां 30 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। आगे यह यात्रा आंबेडकर पार्क और गोमती रिवर फ्रंट के सुंदर मार्गों से गुजरते हुए पुनः 1090 चौराहे पर संपन्न होगी। इस टूर पैकेज में रेजीडेंसी और उत्तर प्रदेश दर्शन पार्क के प्रवेश टिकट शामिल होंगे, साथ ही विधान सभा भवन में विशेष प्रवेश की व्यवस्था भी की गई है। शाम के समय लखनऊ दर्शन बस सेवा सायं 04 बजे से 07 बजे तक संचालित की जाएगी। यह यात्रा 1090 चौराहा, गोमती नगर से प्रारंभ होकर उत्तर प्रदेश दर्शन पार्क पहुंचेगी, जहां पर्यटकों को 30 मिनट का समय दिया जाएगा। इसके बाद बस आंबेडकर पार्क, गोमती रिवर फ्रंट, कैथेड्रिल चर्च और राजभवन के रास्ते विधान सभा भवन पहुंचेगी, जहां लगभग 40 मिनट का भ्रमण कराया जाएगा। आगे सिब्तैनाबाद इमामबाड़ा होते हुए बस रेजीडेंसी पहुंचेगी, जहां पर्यटक लाइट एंड साउंड शो का आनंद लेंगे। इसके बाद छतर मंजिल, ग्लोब पार्क, बेगम हजरत महल पार्क और जीपीओ से गुजरते हुए यह यात्रा फूड वैली पर समाप्त होगी। लखनऊ दर्शन बस सेवा आम लोगों के लिए 07 जनवरी 2026 से शुरू की जाएगी।

पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं को योगी सरकार की बड़ी राहत

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ा और राहत भरा फैसला लिया है। अभ्यर्थियों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर प्रस्तावित सीधी भर्तीद्2025 के लिए अधिकतम आयु सीमा में एकमुश्त तीन वर्ष का शिथिलीकरण प्रदान किया गया है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है, जिससे लंबे समय से आयु सीमा के कारण भर्ती से वंचित रह रहे युवाओं को सीधा लाभ मिलेगा। सरकार के इस निर्णय के तहत सीधी भर्तीद्2025 में कुल 32,679 पदों को भरा जाना प्रस्तावित है। शासनादेश के अनुसार आरक्षी नागरिक पुलिस पुरुष एवं महिला, आरक्षी पीएसी व सशस्त्र पुलिस पुरुष, आरक्षी विशेष सुरक्षा बल पुरुष, महिला बटालियन के लिए महिला आरक्षी, आरक्षी घुड़सवार पुलिस पुरुष तथा जेल वार्डर पुरुष एवं महिला पदों पर भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित होने वाले सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को यह आयु शिथिलीकरण एक बार के लिए दिया जाएगा। इससे बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों को अवसर प्राप्त होगा, जो अब तक केवल आयु सीमा के कारण प्रतियोगिता से बाहर हो रहे थे। यह निर्णय उत्तर प्रदेश लोक सेवा भर्ती के लिए आयु सीमा का शिथिलीकरण नियमावलीद्1992 के नियमद्3 के तहत लिया गया है। यह व्यवस्था 31 दिसंबर 2025 को जारी भर्ती विज्ञप्ति के क्रम में 5 जनवरी 2026 को जारी शासनादेश के माध्यम से प्रभावी की गई है। शासन का मानना है कि यह कदम भर्ती प्रक्रिया को अधिक न्यायसंगत और समावेशी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। योगी आदित्यनाथ सरकार का यह फैसला स्पष्ट करता है कि प्रदेश सरकार युवाओं की समस्याओं को गंभीरता से समझती है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत अलीगंज क्षेत्र में महिलाओं और बालिकाओं को किया गया जागरूक

लखनऊ, (संवाददाता)। महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत आज 05 जनवरी 2026 को थाना अलीगंज क्षेत्र में मूंगफली मंडी के आसपास व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का मूल उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों, सरकारी योजनाओं और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति सजग और समर्थ बनाना रहा। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 के तहत अलीगंज पुलिस टीम, एंटी रोमियो स्क्वायड और मिशन शक्ति टीम ने

मौके पर पहुंचकर महिलाओं एवं बच्चों से संवाद किया। इस दौरान महिला हेल्प डेस्क, मिशन शक्ति केंद्रों की भूमिका और कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई तथा महिलाओं को बताया गया कि किसी भी समस्या की स्थिति में वे बिना संकोच पुलिस सहायता प्राप्त कर सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बालिकाओं को 1090 महिला पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्डलाइन, 1076 टोल फ्री सिटीजन कॉल सेंटर, 101 अग्निशमन सेवा, 102 और 108 एम्बुलेंस सेवा, 112 आपातकालीन सेवा तथा 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही यूपी कॉप ऐप और महिलाओं के लिए संचालित अन्य सरकारी योजनाओं के संबंध में भी जागरूक किया गया, ताकि जरूरत पड़ने पर वे त्वरित सहायता प्राप्त कर सकें। अलीगंज पुलिस टीम ने महिलाओं को उनके विरुद्ध होने वाले अपराधों की पहचान और उनसे बचाव के उपाय बताए। बच्चियों को गुड टच और बैड टच के बारे में समझाया गया तथा उन्हें आत्मरक्षा के सरल और प्रभावी तरीके सिखाए गए। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने, अपने भविष्य को लेकर सजग रहने और किसी भी प्रकार के डर या दबाव के बिना अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत लखनऊ कमिश्नरेट के सभी 54 थानों पर मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, जहां निरीक्षक, अतिरिक्त निरीक्षक, उपनिरीक्षक और महिला उपनिरीक्षक की तैनाती की गई है। इन केंद्रों का उद्देश्य थाने पर आने वाली महिलाओं की समस्याओं का त्वरित, संवेदनशील और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। मूंगफली मंडी क्षेत्र में आयोजित यह जागरूकता कार्यक्रम महिला सुरक्षा, कानूनी जानकारी और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हुआ। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं और बच्चियों में न केवल अपने अधिकारों को लेकर जागरूकता बढ़ी, बल्कि आत्मविश्वास और स्वावलंबन का भाव भी मजबूत हुआ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम लगातार जारी रखने की बात कही गई है, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके और महिलाएं स्वयं को हर परिस्थिति में सुरक्षित और सशक्त महसूस कर सकें।

मेडिकल कालेज के चिकित्सको का शोध, प्रतिष्ठित मंच पर प्रकाशित होने पर प्रधानाचार्य ने स्नेहपूर्वक सम्मानित किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा० मुदित चौहान एवं सहायक आचार्य डा० पूजा पाठक के द्वारा योग विषय पर किए गए दो शोध पत्रों का प्रकाशन अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित योगः इट्स रूल्स एंड हेल्थ एंड डिजीजश पुस्तक में किया गया है। यह प्रकाशन योग के वैज्ञानिक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्व को रेखांकित करता है तथा शोध एवं अकादमिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रथम शोध में बताया गया है कि योग के माध्यम से यह प्रतिपादित किया गया कि बढ़ती आयु को सकारात्मक एवं स्वस्थ बनाया जा सकता है। योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है, बल्कि मानसिक संतुलन एवं आत्मिक शांति बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भी बताया गया कि बढ़ती आयु के साथ उत्पन्न होने वाली शारीरिक एवं मानसिक चुनौतियों का समाधान नियमित योग अभ्यास द्वारा प्रभावी रूप् से किया जा सकता है। योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाकर तथा इसे दैनिक दिनचर्या में सम्मिलित कर व्यक्ति अपने जीवन को अधिक स्वस्थ, संतुलित एवं रोगमुक्त बना सकता है। द्वितीय शोध में यह प्रतिपादित्त किया गया कि योग का मानव जीवन में जुड़ाव वर्तमान समय की देन नहीं है, बल्कि इसकी गहरी पौराणिक एवं सांस्कृतिक जड़ें हैं। यद्यपि योग की उत्पत्ति प्राचीन काल में हुई, तथापि आधुनिक जीवन में भी इसकी प्रासंगिकता पूर्ववत बनी हुई है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बढ़ते मानसिक तनाद, भावनात्मक असंतुलन एवं जीवनशैली जनित समस्याओं के समाधान हेतु योग की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। शोध में यह स्पष्ट किया गया है कि योग पौराणिक परंपरा से जुड़ा होने के बावजूद आधुनिक समय में मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी एवं व्यवहारिक माध्यम है। योग विषय पर किये गये शोध का प्रकाशन 02 वालूम में होने पर प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल द्वारा संबंधित शोधकर्ता को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी गई। प्रधानाचार्य ने शोधकर्ता के अकादमिक परिश्रम एवं बौद्धिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शोध प्रकाशन संस्थान की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करतें है तथा चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहन देते है। प्रधानाचार्य ने मेडिकल कालेज के समस्त संकाय सदस्यों को अनुसंधान की दिशा में आगे बढ़ने, नवीन विषयों का चयन करने तथा अकादमिक मंचों पर अपने शोध कार्यों को प्रकाशित करने हेतु प्रेरित किया, जिससे संस्थान को राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर एक सशक्त पहचान प्राप्त हो सके।

बस की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत

गोरखपुर, (संवाददाता)। चौरचौरा में मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे निबियवहा ओवरब्रिज पर एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। देवरिया की तरफ से आ रही एक अनुबंधित बस और बाइक के बीच ओवरटेक के दौरान स्थिति बिगड़ गई, जिससे बाइक सवार असंतुलित होकर गिर पड़ा और बस का पहिया उसके चेहरे पर चढ़ गया। हादसे के बाद ओवरब्रिज पर अफरा–तफरी मच गई।

ओवरब्रिज एक ही लेन का होने के कारण करीब आधे घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस की सहायता से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौरीचौरा पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने जाम को खुलवाया। पुलिस ने आवश्यक पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

संक्षिप्त खबरें

तीन करोड़ से विस्तारित क्षेत्र के 12 विद्यालयों का होगा कायाकल्प

भदोही, (संवाददाता)। भदोही नगर पालिका क्षेत्र में आने वाले 12 विद्यालयों की तस्वीर जल्द ही बदलेगी। मिशन कायाकल्प योजना के तहत नगर पालिका तीन करोड़ से विद्यालयों में अलग–अलग काम कराएगा। विद्यालय में इंटरलॉकिंग, चहारदीवारी, पेयजल, जल निकासी, प्रकाश व्यवस्था सहित विभिन्न कार्यों के साथ विद्यालय की डेंटिंग–पेटिंग भी होगी। भदोही नगर पालिका के सीमा विस्तार के बाद 28 गांवों को नगर की सीमा में शामिल किया गया। नगर की सीमा में शामिल होने के बाद करीब 28 स्कूल भी नगर क्षेत्र में शामिल हो गए। इनमें कई स्कूलों की हालत बहुत अच्छी नहीं थी। नगर पालिका अब 15वें वित्त की राशि से इन स्कूलों में सुविधाओं का विस्तार करेगा। इसके लिए शासन से तीन करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। जिन गांवों के स्कूलों का कायाकल्प कराया जाना है। उसमें भिखारीपुर, डूडवा, कुपरौठी, मर्यादपट्टी, फतुपुर, रामरायपुर आदि विद्यालय शामिल हैं। धनराशि स्वीकृत होने के बाद नगर पालिका विद्यालयों में होने वाले कार्यों का खाका तैयार कर रहा है। 15वें वित्त से होने वाले कार्य के लिए राज्य व केन्द्र से 1.5–1.5 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। नगर में 29 वार्ड हैं। यहां करीब 1.40 लाख की आबादी निवास करती है। योजना के तहत यहां इंटरलॉकिंग, चहारदीवारी, पेयजल, जल निकासी, प्रकाश व्यवस्था, डेंटिंग, पेटिंग सहित अन्य कार्य होंगे। मिशन कायाकल्प के तहत तीन करोड़ रुपये जारी हुए हैं। इसमें केंद्र व राज्य से 1.5–1.5 करोड़ रुपये मिले हैं। 15वें वित्त के तहत मिली इस धनराशि से विस्तारित क्षेत्रों के 12 विद्यालयों में काम कराए जाएंगे।

खाना खराब मिला या होटल–रेस्तरां में गंदगी, एप पर कीजिए शिकायत

भदोही, (संवाददाता)। आप किसी होटल या रेस्तरां में खाना खाने जाते हैं, यदि वहां गंदगी मिलती है या फिर खाने में शिकायत है तो अब आपको शिकायत करने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। अब फूड सेफ्टी कनेक्ट एप पर आप शिकायत कर सकेंगे। एफएसएसएआई के निर्देश पर जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने होटल, ढाबों, रेस्तरां में पोस्टर लगाकर ग्राहकों को एप के बारे में जागरूक करने में जुट गया है। पहले चरण में हाईवे के होटलों, ढाबों में इसे लगाया जा रहा है। जिले में 175 ढाबा, होटल और रेस्तरां संचालित हैं। इसमें अकेले हाईवे पर 30 से अधिक हैं। खाद्य पदार्थों में होने वाली दिक्कतों के लिए अधिकतर शिकायतें विभाग को नहीं मिल पाती। इससे संचालक मनमानी करते हैं। इस पर रोक लगाने के लिए एफएसएसआई ने फूड सेफ्टी कनेक्ट एप लांच किया गया है। इससे मिलावटखोरी की शिकायत ऑनलाइन दर्ज हो जाएगी। माघ मेले के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग होटल, रेस्तरां और दुकानों पर जागरूकता के लिए स्टीकर लगा रहा है। इस पर छपे क्यूआर कोड को स्कैन कर ऑनलाइन शिकायत की जा सकेगी। सोमवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओपी सिंह और डॉ. तांविदा ने करीब 10 होटल और ढाबों में स्टीकर को लगाया। मिलावटखोरों पर शिकंजा कसने के लिए शासन ने फूड सेफ्टी कनेक्ट एप को लांच किया है।

पुरानी रंजिश में शराब पिलाकर दोस्त ने दोस्त की पीट–पीटकर किया हत्या,एक आरोपी गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के माधोपट्टी गांव में बुधवार दोपहर शराब पीने के विवाद को लेकर दो व्यक्तियों में झगड़ा हो गया। झगड़ा इतना बढ़ गया कि जिमसे एक 42 वर्षीय व्यक्ति की वजनी वस्तु से मार कर हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिय जिला अस्पताल भेजा।पुलिस ने मृतक के बेटे की तहरीर पर मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।दोनों आपसे में गहरे दोस्त बताए जा रहे हैं। थाना क्षेत्र के गुरु प्रसाद (42)पुत्र मेवा लाल अपने साथी ओमकार सिंह के साथ बैठकर गाँव में शराब पी रहे थे। अचानक किसी बात को लेकर विवाद हुआ। ओमकार सिंह के द्वारा किसी ठोस वस्तु से गुरु प्रसाद के सीने पर और पैर पर वार किया जिससे उनकी हालत खराब हुई। परिजनों के सुचना मिली और परिजन एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल ले आये जहा पर चिकित्सको की टीम ने मृत घोषित कर दिया। एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस को 112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि माधोपट्टी ग्राम कान्तापुर में गुरुप्रसाद यादव पुत्र मेवालाल यादव और ओमकार सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह शराब पीकर आपस में झगड़ रहे हैं। सूचना मिलते ही जफराबाद थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल गुरुप्रसाद यादव को 108 एम्बुलेंस की मदद से सदर अस्पताल भिजवाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने आरोपी ओमकार सिंह को हिरासत में ले लिया है। मृतक के शव को मॉर्चरी में रखवा दिया गया है और नियमानुसार आगे की कानूनी कार्यवाही की जा रही है। मृतक के पिता मेवा लाल का आरोप है कि हमारे बेटे से ओंकार सिंह से पहले भी लड़ाई झगड़ा हुआ था।दोनों में पैसे को लेकर विवाद हुआ था हमारे बेटे ने पैसा दे दिया था फिर भी ओंकारा सिंह लगातार हमारे बेटे को धमकी दे रहे थे।आज सुबह हमारे बेटे को घर से बुलाकर घर के पीछे एक बगीचे में लेजाकर शराब पिलाई और मारा डाला है।तीन लोगों ने मिलकर मारा है हम लोग मौके पर पहुंचे तो दो लोग भाग रहे थे।

कायस्थ मित्र मंडल का उद्देश्य समाज को जोड़ना है ना कि तोड़ना : धीरज श्रीवास्तव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर नए वर्ष की उपलक्ष्य में कायस्थ मित्र मंडल के तत्वाधान में एक गेट टूगेदर पार्टी का आयोजन नगर के होटल में कायस्थ समाज के युवा नेता धीरज श्रीवास्तव और उनके सहयोगियों द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम से पूर्व भगवान श्री चित्रगुप्त जी की मूर्ति के समक्ष विधिवत के समाज के तमाम चित्रांश बंधुओ ने विधि विधान से आरती पूजन किया।इसके उपरांत लोगों ने एक दूसरे से परिचय प्राप्त किया। इसी क्रम में आयोजन में उपस्थित तमाम चित्रांश बंधुओ द्वारा अपनी सूक्ष्म प्रस्तुतियां भी प्रस्तुत की गई। इस मौके पर कार्यक्रम आयोजक धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ मित्र मंडल का उद्देश्य समाज को जोड़ना है ना कि तोड़ना हम चाहते हैं कि सभी लोग एक साथ मिलजुल कर एक दूसरे का सुख दुख बांटते और लोगों के सहयोगी बने जिस प्रकार अन्य समाज के लोग एक दूसरे के साथ जरूरत पड़ने पर कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते हैं और उनके सुख दुख को अपना समझते हुए उनका सहयोग करते हैं। इस प्रकार हमारे कायस्थ मित्र मंडल का भी यही उद्देश्य है हम सभी बड़ों का और अपने अनुज भाइयों का इस कार्यक्रम के माध्यम से अपेक्षित सहयोग चाहते हैं। और समाज में जो कोई भी जहां भी जिस स्थिति में हो एक दूसरे का सहयोग करने का प्रयास करें। लोगों की बुराइयों को छोड़कर उनकी अच्छाइयों को अपनाने का प्रयास करें जिससे कि दूसरे समाज के लोगों को भी एक अच्छा संदेश जाए। जो लोग कायस्थों को अभी हल्के में समझते हैं उनको भी यह एहसास हो कि कायस्थ समाज एकजुट है और कोई भी उनकी तरफ आंख उठाकर देख नहीं सकता। धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि इस तरह के आयोजन अब लगातार होते रहेंगे। जिसमें जनपद के सभी चित्रांश बंधुओ को आमंत्रित किया जाएगा । इस मौके पर जनपद के तमाम बुद्धिजीवी लोग कायस्थ समाज के विभिन्न संगठनों के लोग मौजूद रहे। कायस्थ समाज के वरिष्ठ डा इंद्रसेन श्रीवास्तव ,नीलमणि श्रीवास्तव ,राकेश श्रीवास्तव डॉ रवि प्रकाश श्रीवास्तव ,शिवमोहन श्रीवास्तव ,सरोज श्रीवास्तव के साथ आयोजक मण्डल के,मनीष श्रीवास्तव रिंकू ,मनीष श्रीवास्तव बच्चा ,संदीप श्रीवास्तव ,नवनीत श्रीवास्तव ,मयंक नारायण ,सन्तोष श्रीवास्तव बेचू अनिल श्रीवास्तव बबलू सिपाह अमित श्रीवास्तव बड़े बाबू प्रमोद श्रीवास्तव दादा पंकज श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

नवादा बिहार और पीएसआरएस अकादमी की टीम ने दर्ज की जीत

भदोही, (संवाददाता)। सेवा सदन इंटर कॉलेज मैदान पर मोढ़ चौंपियनशिप क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमवार को दो मैच खेले गए। इसमें नवादा बिहार और पीएसआरएस अकादमी मोढ़ ने जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बिहार की टीम 15 ओवरों में योगेश पटेल ने 42 रन और विवेक रंजन के 36 रनों की बदौलत आठ विकेट के नुकसान पर 158 रन बनाए। वाराणसी के गेंदबाज बृजेश सोनकर ने चार और साहिल ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वाराणसी की टीम पर्याप्त रन नहीं बना सकी। बिहार के गेंदबाज पार्थ और दीपू ने दो–दो विकेट प्राप्त किया। दूसरे मुकाबले में मोढ़ ने डीके स्पोर्ट्स सुरियावां को हराया। इस मौके पर सुजीत सिंह, ऋषि सिंह, राजू दूबे, प्रभात सिंह, दिनेश यादव, बाढ़ू सिंह, डीके यादव, प्रेम यादव, जितेंद्र बिंद, राकेश मौर्या, धर्मराज पाल आदि रहे।

सीतामढ़ी में पीपा पुल से गुजरेंगे तीन टन भार के वाहन

भदोही, (संवाददाता)। जनपद के दो पीपा पुलों पर सोमवार से आवागमन शुरू हो गया। सीतामढ़ी के मिश्रपुर पीपा पुल पर 3 टन भार के वाहन आ–जा सकेंगे। वहीं, रामपुर घाट पर पीपा पुल पैदल और बाइक चालकों के लिए खोल दिया गया। इससे जिले के 60 हजार लोगों का लाभ मिला है। जिले में पांच पीपा पुल बनाए जाने हैं। इसमें रामपुर, धनतुलसी और सीतामढ़ी पीपा पुल पहले से बनते आ रहे हैं। वहीं, सेमराध और नेढ़वढियां गंगा घाट पर इस साल से नया पीपा पुल बनाने की अनुमति मिली है। गंगा में आई बाढ़ के कारण कार्तिक पूर्णिमा स्नान के बाद से ही संचालित होने वाला पुल इस साल जनवरी में शुरू हो रहा है। लोक निर्माण विभाग मिर्जापुर ने पीपा पुल पर 3 टन भार वाले वाहनों को चलने की अनुमति दी है। इसके पहले पीपा पुल पर 5 मीट्रिक टन वजन तक के वाहनों को चलने की इजाजत थी। पीडब्ल्यूडी के मेठ रामदुलार ने बताया कि गोपीगंज के रामपुर गंगा घाट से मिर्जापुर जिले को जोड़ने वाले पीपा पुल पर एक सप्ताह में पीपा पुल सहित बालू के रेत पर चकरप्लेट लगा दिया जाएगा। उसके बाद चार पहिया को भी आवागमन के लिए सुलभ कर दिया जाएगा। पीपा पुल का संचालन होने से मिर्जापुर की दूरी कम हो जाती है। इससे व्यापारिक गतिविधियों सहित अन्य कार्यों में आसानी होती है।

सपा की मासिक बैठक में मतदाता सूची में नाम बढ़ाने पर दिया जोर

भदोही, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी की तीनों विधानसभा इकाईयों की मासिक बैठक सोमवार को तीनों विधानसभा क्षेत्र में अलग–अलग हुई। तीनों बैठकों में मतदाता सूची में नए मतदाताओं के नाम बढ़ाने पर जोर दिया गया। भदोही विधानसभा की बैठक भदोही नगर के विधायक जाहिद बेग के आवास मलिकाना में हुई। इसमें विधायक ने कहा कि वर्तमान में सभी कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी समझें और चुनावी रण में पार्टी की जीत के लिए काम करें। विधायक ने कहा कि पीडीए समाज सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को अपना नेता मानती है। मौजूदा सरकार के कार्यों से कोई तबका खुश नहीं है।

प्रथम उत्तर प्रदेश बैंडी चौंपियनशिप का सफल समापन

देहरादून स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के हिमाद्री आइस रिंग पर गत चार दिनों से चल रही प्रथम उत्तर प्रदेश बैंडी चौंपियनशिप का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में लखनऊ की अंडर–14 बालक एवं बालिका टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रतियोगिता की पहली विजेता बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल मुकाबले में बालिका वर्ग में लखनऊ की टीम ने गाजियाबाद को 2/0 से पराजित किया। लखनऊ की ओर से स्टार खिलाड़ी शारिया खान ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 2 गोल दागे। इसके अलावा श्रव्या, अरु, इप्सिता, प्रियल तथा गोलकीपर धृति ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल से सभी को प्रभावित किया। बालक वर्ग में भी लखनऊ की टीम का प्रदर्शन बहुत जोरदार रहा। रोमांचक फाइनल मुकाबले में लखनऊ ने मेरठ की टीम को 2/0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। टीम की ओर से हर्ष और आरुष ने एक–एक गोल किया। आरुष, हर्ष, सात्विक, विख्यात, अमय, शिवांग, अचिंत्य और वंश ने शानदार तालमेल और खेल भावना का परिचय दिया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विदेशी रूसी कोच मिस्टर डेनिस, इंडियन बैंडी संघ के कोऑर्डिनेटर विशाल सोलंकी एवं भारतीय बैंडी टीम के कोच प्रहलाद कौशिक का क्रमशः नीरज श्रीवास्तव, अंकुर गुप्ता एवं रवि वर्मा द्वारा स्वागत किया गया। लखनऊ टीम की इस ऐतिहासिक जीत पर प्रेसिडेंट प्रशांत पाण्डेय, मनोज वर्मा एवं हसीब खान, प्रकाश मिश्र, आदित्य बाजपेई, डॉ अभय सिंह, सविता सिंह, सुनील शुक्ला, मनीष वर्मा, लक्ष्मी, विकास वर्मा ने खिलाड़ियों और उनके अभिभावकों को बधाई दी तथा खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की।

घर में घुसे, रिटायर्ड लेखपाल पर पिस्टल से किया हमला– बंधक बना लूटे 80 लाख

गोरखपुर, (संवाददाता)। एम्स थाना क्षेत्र के रजही मौर्या चौराहे के पास सोमवार शाम सात बजे चार आरोपियों ने पिस्टल सटाकर रिटायर्ड लेखपाल को परिवार समेत घर में बंधक बना लिया। इसके बाद करीब 80 लाख रुपये के गहने और नकद लूटकर भाग गए। इसमें करीब चार लाख रुपये नकद थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। घटना के इलाके में दहशत फैल गई है। एम्स थाना पुलिस ने बालेंद्र सिंह की तहरीर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। जानकारी के अनुसार, मौर्या चौराहे के पास रिटायर्ड लेखपाल बालेंद्र सिंह का मकान है। उन्होंने बताया कि शाम सात बजे के करीब दो बाइक से चार बदमाश घर पहुंचे। उन्होंने चेहरे को नकाब से ढका हुआ था। बदमाशों ने पहले घर का दरवाजा खटखटाया। बालेंद्र ने बताया कि दरवाजा खोलने पर बदमाशों को देखकर लगा कि ये कुरियर वाले हैं। बदमाशों ने कहा कि हम सीमेंट का पैसा जमा करने आए हैं। बालेंद्र सिंह ने कहा कि उनकी कोई

दुकान ही नहीं है तो कैसा पैसा। इसी बीच चारों बदमाशों ने पिस्टल लहराते हुए उसके बट से उनके सिर पर हमला कर दिया। इससे उनका सिर फट गया। इसके बाद बदमाश पिस्टल सटाकर उन्हें घर के अंदर ले गए। घर के किचन में मौजूद बालेंद्र सिंह की पत्नी ऊषा सिंह, बहू कल्पना सिंह और छोटे भाई तेजबहादुर सिंह की पत्नी पूर्णिमा सिंह को पिस्टल दिखाकर उनके गले और कान से सोने के आभूषण लूट लिए। इसके बाद तीनों महिलाओं को एक कमरे में बंद कर दिया। फिर बदमाशों ने बच्चों को मारने की धमकी देकर आलमारी की चाभी छीन ली और जेवर व नकदी निकाल लिए। बालेंद्र के छोटे भाई तेजबहादुर सिंह नेत्रहीन हैं और वह बरामदे में सो रहे थे। लूटपाट के बाद चारों बदमाश भाग गए। घटना की सूचना मिलते ही डीआईजी/एसएसपी राजकरन नय्यर, एसपी सिटी अभिनव त्यागी, सीओ कैंट योगेंद्र सिंह और एम्स थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। रजही में लूट की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की गई है।

2027 में तोड़ेंगे 2017 का भी रिकॉर्ड, हर चौलेंज के लिए भाजपा तैयार

गोरखपुर, (संवाददाता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि संगठन ही हमारी पहचान है। कार्यकर्ता उनके लिए सर्वोपरि हैं। संगठन को मजबूत करना उनका दायित्व है। वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में 2017 का भी रिकॉर्ड तोड़ेंगे। कांग्रेस और सपा तो एक परिवार की पार्टी हैं। भाजपा ही सर्वसमाज की पार्टी है। विपक्षी बहुत सारी अफवाहें फैला रहे हैं लेकिन पार्टी हर चौलेंज के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीमारू को स्वस्थ प्रदेश बनाकर देश में एक नई पहचान दिलाई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, सोमवार को गोरखपुर प्रथम आगमन पर क्षेत्रीय कार्यालय पर आयोजित स्वागत व अभिनंदन समारोह, गोरखपुर क्षेत्र कार्य समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने मीडिया से भी बातचीत की। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को आगाह किया कि विपक्षी दलों से सावधान रहें। वे

मनरेगा के तहत रोजगार गारंटी को लेकर अफवाहें फैला रहे हैं। हकीकत यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मनरेगा के 100 दिन के काम में हो रहे भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए विकसित भारत जी–राम जी योजना लाए हैं। इसमें 125 दिन की रोजगार की गारंटी दी गई है। इसके बारे के जन–जन को बताना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि आप के बिना हम अधूरे हैं। यदि कार्यकर्ता काम नहीं करेगा तो सारी योजना धरी की धरी रह जाएगी। उन्होंने कहा गोरखपुर की धरा धार्मिक और राजनीतिक रूप से उर्वरा है। यहीं के योगी आदित्यनाथ दो बार से मुख्यमंत्री हैं। इसी धरा पर गुरु गोरखनाथ मंदिर व गीताप्रेस जैसा धार्मिक स्थल भी है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि एसआईआर में चूक हुई है, कार्यकर्ता ढीले पड़ गए। अब हमें सजगता से काम करना है। छह जनवरी के बाद मतदाता सूची में कटे नामों को जोड़वाना है। इसमें किसी तरह की ढिलाई नहीं होनी चाहिए। ब्राह्मण विधायकों की बैठक और उसे लेकर विपक्ष द्वारा मुद्दा बनाने के सवाल पर कहा कि सभी लोग हमारे हैं और सबको साथ लेकर चलना है। सपा के पीडीए पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पहले अखिलेश यादव पीडीए का फुल फॉर्म तो तय करें, हमेशा उनकी परिभाषा बदलती रहती है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 2047 तक देश को विकसित भारत के रूप में लाने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प पूरा करने के लिए हमें 2017 से बड़ी जीत 2027 में पार्टी को दिलानी है।

मियागंज की महिला प्रधान ने बदली ग्राम पंचायत की सूरत

उन्नाव, (संवाददाता)। ग्राम पंचायत मियागंज की महिला प्रधान ने विकास कार्यों से गांव की सूरत बदल दी है। स्वच्छता को लेकर गांव में दिन में दो बार कूड़ा उठता है। हर गली व मुख्य रोड पक्की कराई है। शाम ढलते ही 350 लाइटों से गांव जगमगाने लगता है। गांव के पंचायत भवन से महिलाओं को मात्र दो रुपये में सेनेटरी पैड उपलब्ध है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।